तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com
कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

वर्ष 37 अंक 17 | कोरबा, गुरुवार, दिनांक 16 अक्टूबर 2025 डाक 17 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा
भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में मंगोलिया के राष्ट्रपति श्री खुरेलसुख उखना के सम्मान में भोज का अयोजन किया

देश-विदेश
जम्मू-कश्मीर में तीन कफ सीरप पर लगा प्रतिबंध, पाई गई जहरीले तत्व की मात्रा

फीचर पेज
नाश्ते के लिए बेस्ट है दलिया पूरे शरीर को देगा एनर्जी का फुल डोज

छापामारी दल और पुलिस मुखबिरों के सीडीआर पेश करने पर नहीं कोई रोक

दिल्ली हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी

नईदिल्ली 16 अक्टूबर। दिल्ली हाई कोर्ट ने माना कि एनडीपीएस के मामलों में छापामारी दल और पुलिस मुखबिरों के कॉल डेटा रिकॉर्ड (सीडीआर) पेश करने पर कोई रोक नहीं है, बशर्ते उनकी सुरक्षा और गोपनीयता सुनिश्चित हो। अदालत ने कहा कि छापा मारने वाली टीम के सदस्यों और पुलिस मुखबिरों की सुरक्षा और गोपनीयता के संबंध में आवश्यक सावधानियां बरतते हुए उचित समय पर अदालत के समक्ष सीडीआर/लोकेशन चार्ट पेश करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है।

कोर्ट ने उक्त टिप्पणी आरोपित की अपील याचिका पर की। आरोपित ने बरामदगी, जब्ती और नमूने लेने के समय ड्यूटी आफिसर और छापेमारी दल के सदस्यों के सीडीआर और लोकेशन चार्ट को सुरक्षित रखने की मांग की है। ट्रायल कोर्ट ने मांग खारिज कर दी थी।

पीएसए के तहत हिरासत में रहते हुए भी जम्मू-कश्मीर राज्यसभा चुनाव में मतदान करेंगे आप विधायक मेहराज मलिक

जम्मू 16 अक्टूबर। जन सुरक्षा अधिनियम पीएसए के तहत हिरासत में लिए गए आम आदमी पार्टी के एकमात्र विधायक मेहराज मलिक को 24 अक्टूबर को होने वाले आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए डाक मतपत्र का लाभ उठाकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 बंदियों को अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अनुमति देता है, लेकिन जेलों में बंद विचाराधीन और दोषियों को मतदान का अधिकार नहीं देता है।

इस बीच, सूत्रों ने बताया कि चुनाव आयोग द्वारा हिरासत में लिए गए मतदाताओं का विवरण मांगे जाने पर जम्मू कश्मीर प्रशासन ने विधायक मेहराज मलिक के बारे में सभी आवश्यक जानकारियां उपलब्ध कराई हैं। केंद्र शासित जम्मू कश्मीर प्रदेश की राज्यसभा की चार सीटों के लिए 24 अक्टूबर को श्रीनगर में मतदान होने जा रहा है। संबधित सूत्रों ने बताया कि मेहराज मलिक वर्तमान में पीएसए के तहत निरुद्ध हैं, इसलिए उन्हें जेल परिसर के भीतर से डाक मतपत्र के माध्यम से अपना वोट डालने की अनुमति मिलने की संभावना है।

हमलों के पीछे भारत का हाथ, अफगानिस्तान की सेना से पिटने पर पाक रक्षा मंत्री ने रोया दुखड़ा

नई दिल्ली 16 अक्टूबर। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अफगानिस्तान पर भारत के लिए प्रॉक्सी वॉर लड़ने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि भारत तालिबान के जरिए पाकिस्तान को टारगेट कर रहा है। एक टीवी इंटरव्यू में ख्वाजा आसिफ ने कहा, इस वक्त काबुल दिल्ली के लिए प्रॉक्सी वॉर लड़ रहा है। उन्होंने हाल ही में घोषित 48 घंटे के अस्थायी सीजफायर पर भी संदेह जताया और चेतावनी दी कि अगर उकसावा हुआ तो पाकिस्तान सैन्य जवाब देने को तैयार है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने घोषणा की कि दोनों पक्षों की सहमति से अगले 48 घंटों के लिए अस्थायी युद्धविराम लागू किया गया है। यह फैसला सीमा पर हाल के दिनों में हुई तीव्र गोलीबारी के बाद लिया गया। युद्धविराम बुधवार को 1.00 बजे से प्रभावी हुआ। ख्वाजा आसिफ ने युद्धविराम के टिकने पर संदेह जताते हुए कहा, मुझे शक है कि यह युद्धविराम कायम रहेगा, क्योंकि तालिबान को दिल्ली प्रायोजित कर रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अफगानिस्तान ने तनाव बढ़ाया या युद्ध का दायरा बड़ा किया, तो पाकिस्तान सैन्य कार्रवाई के लिए तैयार है। हालांकि, उन्होंने रचनात्मक बातचीत की संभावना को भी खुला रखा है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हालिया हिंसा में वृद्धि देखी गई है। इसमें कथित तौर पर पाकिस्तानी हवाई हमलों ने कंधार और काबुल को निशाना बनाया। बता दें कि दोनों पक्षों ने युद्धविराम की पहल का श्रेय लेने का दावा की बात भी कही है।

बहराइच में आदमखोर भेड़िया ढेर, 37 दिन में छह लोगों की ले चुका था जान

बहराइच। बहराइच के कैसरगंज के मझारा तौकली इलाके में बीते 37 दिनों से आतंक का पर्याय बने भेड़िया को वन विभाग के शूटर ने गोली मारकर ढेर कर दिया। ग्रामीणों ने भेड़िया मारे जाने के बाद राहत की सांस ली है। 37 दिनों में भेड़िया ने 6 लोगों की जान लेने के साथ 36 लोगों को घायल किया था। इससे पहले भी एक भेड़िया मारा गया था जबकि एक अन्य गोली लगने के बाद से लापता है। कैसरगंज मंझारा तौकली के भिरगुपुरवा गांव में बुधवार रात थर्मल ड्रोन कैमरा से भेड़िया देखा गया। जिसके बाद डीएफओ गाजीपुर अजीत प्रताप और डीएफओ बहराइच राम सिंह यादव के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने वहां पहुंचकर कर सर्च आपरेशन शुरू किया। रेस्क्यू के दौरान घेराबंदी कर भेड़िये को पकड़ने की कोशिश की गयी, लेकिन भेड़िया हमलावर होने लगा इसके बाद वन विभाग के शूटरों द्वारा फायर किया गया। गोली लगने से भेड़िया वही ढेर हो गया।

जवानों ने नक्सलियों का बंदूक फैक्ट्री ढूंढ निकाला, सर्च ऑपरेशन से मिली सफलता

जगदलपुर 16 अक्टूबर। ओडिसा के मलकानगिरी पुलिस को नक्सल विरोधी अभियान में एक बड़ी सफलता मिली है, कालीमेला थाना क्षेत्र के धूमल और चिलकलामुडी रिजर्व फॉरेस्ट इलाके में चलाए गए सर्च ऑपरेशन में तलाशी के दौरान नक्सलियों की एक गुप्त बंदूक फैक्ट्री का पता चला। आंध्र-ओडिशा सीमा पर सिलुरु थाना क्षेत्र में डीवीएफ के जवानों की छापेमारी में कई अर्धनिर्मित बंदूकें, मरम्मत के उपकरण, और हथियार बनाने की पूरी सामग्री बरामद की गई, इसके साथ ही नक्सलियों द्वारा छिपाई गई तीन बारूदी सुरंगें जिनका वजन तीन, दो और एक किलो है, उसे भी जब्त की गई है. यही नहीं पांच डेटोनेटर, कॉर्डेक्स वायर, वेल्डिंग मशीन, जनरेटर और वेल्डिंग रॉड जैसे उपकरण भी बरामद किए गए हैं।

पुलिस का मानना है कि यह फैक्ट्री नक्सलियों के हथियार मरम्मत और निर्माण का अहम ठिकाना थी, बरामद सभी विस्फोटक और सामग्री को सुरक्षा बलों ने नष्ट कर दिया है, जबकि जब्त किए गए सामानों को आज जिला पुलिस कार्यालय में प्रदर्शित किया गया, मलकानगिरी पुलिस ने इसे नक्सल नेटवर्क पर बड़ा प्रहार बताया है और आगे भी ऐसे अभियानों को तेज करने की बात कही है।

गुरुग्राम में सुबह-सुबह दर्दनाक हादसा

बजरी से भरा ट्रॉला कैब पर पलटा, एक की मौत और दो घायल

गुरुग्राम। गुरुग्राम के सेक्टर 50 थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह साढ़े सात बजे हुए एक हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं। सेक्टर 50 थाना क्षेत्र के गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड पर बजरी से भरा एक ट्रॉला अनियंत्रित होकर पीछे से आ रही एक कैब पर पलट गया। बजरी कैब के ऊपर ही गिर गई। इससे कैब में जा रहे लोग इसके नीचे दब गए। आसपास के लोगों और पुलिस ने बजरी हटाकर कैब से तीनों लोगों को निकाला और अस्पताल पहुंचाया। यहां एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस मृत व्यक्ति और घायलों की पहचान करने में जुटी हुई है। क्रेन के सहारे ट्रॉला को हटाकर सड़क किनारे खड़ा कराया गया। इस हादसे के बाद यहां पर वाहन चालकों के पहिए थम गए थे।

सड़क हादसा, ट्रेलर व स्कॉर्पियो में आमने-सामने की भिड़ंत, जिंदा जले 4 दोस्त

बालोतरा, 16 अक्टूबर [एजेंसी]।

बालोतरा के सिणधरी थाना क्षेत्र में बुधवार रात दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया। बालोतरा-सिणधरी मेगा हाईवे पर सड़ा गांव के पास एक तेज रफ्तार ट्रेलर और स्कॉर्पियो की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कुछ ही पलों में दोनों वाहनों में आग लग गई और स्कॉर्पियो में सवार पांच दोस्तों में से चार मौके पर ही जिंदा जल गए, जबकि एक युवक गंभीर रूप से झुलस गया, जिसे बालोतरा हॉस्पिटल में रैफर किया गया है। यह हादसा रात करीब 12 बजे के आसपास हुआ जब हाईवे पर ट्रेलर और स्कॉर्पियो की जोरदार टक्कर के बाद धमाके के साथ आग फैल गई, जिससे कुछ ही मिनटों में स्कॉर्पियो पूरी तरह जलकर राख हो गई। आसपास के ग्रामीण जब तक मौके पर पहुंचे, तब तक लपटें आसमान छू रही थीं और अंदर फंसे लोग बाहर नहीं निकल पाए। पुलिस के अनुसार हादसे में मृत हुए सभी युवक गुड़ामालानी उपखंड के डाबड़ गांव के रहने वाले थे। ये पांचों दोस्त बुधवार देर शाम किसी काम से सिणधरी गए थे और वहां से रात करीब 12 बजे के बाद वे अपनी स्कॉर्पियो में घर लौट रहे थे। सड़ा गांव के पास सामने से आ रहे ट्रेलर से उनकी स्कॉर्पियो की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए। सामने से टकराने के बाद दोनों वाहनों के फ्यूल टैंक फट गए और देखते ही देखते लपटें उठने लगीं। हादसे के बाद हाईवे पर चीख-पुकार मच गई और स्कॉर्पियो में बैठे पांचों दोस्त आग की लपटों में घिर गए। ग्रामीणों ने ट्रक और स्कॉर्पियो में फंसे लोगों को बचाने की कोशिश की, लेकिन आग इतनी तेजी से फैल चुकी थी कि पास जाना भी मुश्किल था।

इस पर तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। कुछ ही देर में सिणधरी पुलिस, आरजीटी कंपनी और बालोतरा नगर परिषद की फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया लेकिन तब तक स्कॉर्पियो और ट्रेलर दोनों जलकर पूरी तरह राख हो चुके थे।

सिविल कोर्ट पटना में फिर बम धमकी से हड़कंप आरडीएक्स-आईईडी लगाने का भेजी ईमेल

पटना 16 अक्टूबर। पटना सिविल कोर्ट में एक बार फिर बम धमकी से अफरा-तफरी मच गई है। गुरुवार की सुबह रजिस्ट्रार को एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा भेजे गए ईमेल में दावा किया गया कि कोर्ट परिसर में आरडीएक्स और आईईडी विस्फोटक लगाए गए हैं। ईमेल मिलते ही प्रशासन और पुलिस सतर्क हो गई। तत्काल पूरे कोर्ट परिसर को खाली कराया गया और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया। धमकी की सूचना मिलते ही बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड की टीम मौके पर पहुंची। दोनों टीमों ने कोर्ट के हर हिस्से में विस्तृत जांच की। अब तक किसी संदिग्ध वस्तु के मिलने की पुष्टि नहीं हुई है। जांच पूरी होने तक कोर्ट परिसर में प्रवेश पर रोक रहेगी।

नोबेल की चाह में भारत से बिगाड़े रिश्ते, पाक से बेटे को पैसे दिलवाए, ट्रंप पर भड़के पूर्व यूएस राजदूत

नईदिल्ली, 16 अक्टूबर [एजेंसी]।

अमेरिका के शीर्ष डेमोक्रेटिक नेता और पूर्व राजदूत रहम इमैनुएल ने राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप पर सनसनीखेज आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने नोबेल शांति पुरस्कार की लालसा में भारत के साथ 40 साल की रणनीतिक साझेदारी को ताक पर रख दिया। इतना ही नहीं, इमैनुएल ने ट्रंप की पाकिस्तान से नजदीकी पर भी सवाल उठाए, दावा किया कि ट्रंप के बेटे को इस्लामाबाद से पैसा मिल रहा है। यह बयान भारत-अमेरिका संबंधों में तनाव और ट्रम्प की नीतियों पर सवाल उठाता है। इमैनुएल ने कहा कि ट्रम्प ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम के लिए दबाव डाला और इसे अपनी उपलब्धि बताकर नोबेल पुरस्कार की मांग की। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को पाकिस्तानी सेना की गुजारिश पर रोका। लेकिन ट्रंप ने कम से कम 50 बार दावा किया कि उन्होंने 200 प्रतिशत टैरिफ की धमकी देकर दोनों देशों को झुकाया। इमैनुएल, जो बराक ओबामा के प्रशासन में व्हाइट हाउस चीफ ऑफ स्टाफ रह चुके हैं, ने एक साक्षात्कार में कहा कि भारत अमेरिका के लिए चीन के खिलाफ विनिर्माण, प्रौद्योगिकी और सैन्य क्षेत्र में एक मजबूत साझेदार हो सकता था। लेकिन ट्रम्प ने अपने अहंकार और नोबेल की चाहत में यह मौका गंवा दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रम्प ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ थोपकर और पाकिस्तान के साथ नजदीकी बनाकर 40 साल की मेहनत को बर्बाद कर दिया। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति ने डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन प्रशासनों द्वारा भारत के साथ बनाए गए रिश्तों को, यहां तक कि अपनी पहली सरकार के दौरान की गई प्रगति को, अपने अहंकार और पाकिस्तान से मिले पैसे के लिए कुर्बान कर दिया।

इमैनुएल ने ट्रम्प के बेटे और उनके सहयोगी स्टीव विटकॉफ के बेटे जैक विटकॉफ पर पाकिस्तान से पैसा लेने का आरोप लगाया। जैक विटकॉफ ने अप्रैल 2025 में पाकिस्तान क्रिप्टो काउंसिल के साथ डिजिटल वित्तीय लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता किया था। इस कंपनी में डोनाल्ड ट्रम्प जूनियर, एरिक ट्रम्प और जारेड कुशनर की हिस्सेदारी की खबरें हैं। इमैनुएल ने इसे ट्रम्प की पाकिस्तान के प्रति नरम नीति का कारण बताया।

लालू यादव ने चुनाव आयोग के अधिकारी की पत्नी को दिया टिकट, तेजप्रताप से है कनेक्शन

पटना। राजद प्रमुख लालू यादव ने बिहार के सीजीएसटी कमिश्नर एवं निर्वाचन आयोग के नोडल अधिकारी विजय सिंह यादव की पत्नी डा. करिश्मा को सारण जिले परसा विधान सभा क्षेत्र से सिंबल दिया है। करिश्मा तेजप्रताप यादव की साली एवं पूर्व मुख्यमंत्री दरोगा राय की पोती हैं। उधर, करिश्मा ने इंटरनेट मीडिया पोस्ट में कहा, मैं राजद में किसी लालच से नहीं आई हूं, बल्कि तेजस्वी और तेजप्रताप के नेतृत्व में काम करने आई हूं। हर किरदार निभाने के लिए तैयार हूं। लालू परिवार मेरे लिए परिवार के समान है। उनके लिए लालू और दारोगा राय का आदर्श एक मार्गदर्शक जैसा है। पार्टी को उम्मीद है कि युवा और ग्रामीण वोटरों में इसका सकारात्मक असर पड़ेगा।

उधर, लालू यादव ने अपने पुराने अंदाज में एक बार फिर खेल पलटने का प्रयास किया है और राजनीति को पूरी तरह रंगीन बना दिया है।दरोगा राय के बेटे चंद्रिका राय की बेटी ऐश्वर्या राय और तेजप्रताप यादव के तलाक का मामला अभी कोर्ट में चल रहा है। साल 2018 में दोनों की शादी हुई थी लेकिन यह शादी ज्यादा दिनों तक नहीं चल सकी। तेज प्रताप ने 6 महीने बाद ही तलाक की अर्जी दी थी। उसके बाद से ही दोनों परिवारों के संबंध बिगड़ चुके हैं। ऐसे में चुनाव में ऐश्वर्या की चचेरी बहन को टिकट देना लालू यादव का दांव माना जा रहा है।

प्रियांक खरगे की नई मांग, आरएसएस की गतिविधियों में शामिल सरकारी कर्मियों पर हो कार्रवाई

बंगलूरू, 16 अक्टूबर [एजेंसी]।

कर्नाटक में इन दिनों राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) की गतिविधियों पर प्रतिबंध के प्रस्ताव की मांग को लेकर देशभर में हंगामा मचा हुआ है। सिद्धारमैया सरकार ने सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों, सार्वजनिक मैदानों और राज्य सरकार की अन्य जमीनों पर आरएसएस की शाखाएं आयोजित नहीं करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इन निर्देश को कैबिनेट मंत्री प्रियांक खरगे के अनुरोध पर दिया। वहीं अब खरगे ने मुख्यमंत्री से आरएसएस की गतिविधियों में शामिल सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया है। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने गुरुवार (16 अक्तूबर) को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को पत्र लिखकर आरएसएस के कार्यक्रमों में भाग लेने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कर्नाटक सिविल सेवा (आचरण) नियम, 2021 के नियम 5(1) का हवाला देते हुए यह मांग की। मालूम हो कि यह नियम सरकारी कर्मचारियों को किसी भी राजनीतिक दल का हिस्सा बनने और राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने की अनुमति नहीं देता है।

हिजाब विवाद ने पकड़ा तूल, डीडीई की रिपोर्ट के खिलाफ हाईकोर्ट जाएगा स्कूल, बयान जारी

कोच्चि 16 अक्टूबर। केरल के एक स्कूल में हिजाब पहनकर आई छात्रा को कथित तौर पर क्लास से बाहर निकालने पर पनपा विवाद तूल पकड़ता जा रहा है। घटना कोच्चि के पल्लुरुथी स्थित सेंट रीटा पब्लिक स्कूल की है, जो कि दो दिन की छुट्टी के बाद फिर से खुला, हालांकि शिकायतकर्ता छात्रा अनुपस्थित रही। अब हिजाब मुद्दे पर डीडीई की रिपोर्ट के खिलाफ चर्च की ओर से संचालित पब्लिक स्कूल केरल उच्च न्यायालय जाएगा। शिक्षा उपनिदेशक (डीडीई) की उस रिपोर्ट के खिलाफ केरल उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएगा, जिसमें संस्थान की ओर से चूक का आरोप लगाया गया है। सेंट रीटा पब्लिक स्कूल के अभिभावक-शिक्षक संघ (पीटीए) के अध्यक्ष जोशी कैथावलप्पिल ने बताया कि डीडीई की रिपोर्ट बिना उचित जाँच के प्रस्तुत की गई थी। उन्होंने कहा, हमने रिपोर्ट के खिलाफ केरल उच्च न्यायालय जाने का फैसला किया है। यह स्कूल प्रबंधन या पीटीए से उचित सुनवाई या स्थिति का आकलन किए बिना तैयार की गई थी। हमारे वकील जल्द ही इसके निष्कर्षों को चुनौती देने वाली याचिका दायर करेंगे।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक
चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार
डॉ.आर.के.अग्रवाल M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.) Mob.9424170010
-: परामर्श का समय :- सुबह 10.30 से 1.30 (शाम को बंद)
डॉ.शशि अग्रवाल M.B.B.S.D.V.D.(U.K) Mob.9826389894
सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।
मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)
विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...
पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

पुलिस बल के अधिकारी/कर्मचारियों को पुलिस सैलरी पैकेज योजना का किया गया लाभ प्रदान

कोरबा । जिला पुलिस कोरबा द्वारा भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के साथ समन्वय स्थापित कर जिले में कार्यरत समस्त पुलिस बल के अधिकारी एवं कर्मचारियों को पुलिस सैलरी पैकेज योजना का लाभ प्रदान किया गया है। उक्त योजना अंतर्गत सड़क दुर्घटना बीमा योजना के तहत पुलिस विभाग के सन् 2023 बैच के आरक्षक भूपेंद्र सिंह कंवर, जो थाना दीपका में पदस्थ थे, के दिवंगत होने पर उनके परिजनों को ?1,00,00,000/- (एक करोड़ रुपए) की सहायता राशि का चेक प्रदान किया गया है।

आरक्षक भूपेन्द्र सिंह कंवर, जो थाना दीपका में पदस्थ थे, रात्रि ड्यूटी के लिए अपने निवास स्थान कटघोरा से दीपका थाना जा रहे थे। इस दौरान जवाली के पास तेलर मोड़ के समीप उनकी मोटर साइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गयी, जिसमें उनकी मृत्यु हो गई। इस दुखद घटना के पश्चात् कोरबा पुलिस विभाग द्वारा दिवंगत आरक्षक के परिवार को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) द्वारा पुलिस सैलरी पैकेज योजना के तहत सड़क दुर्घटना बीमा योजना से प्राप्त ?1,00,00,000/- (एक करोड़ रुपए) की सहायता राशि का चेक दिवंगत आरक्षक के परिजनों को सौंपा गया।

कोरबा पुलिस परिवार ने दिवंगत आरक्षक भूपेंद्र सिंह कंवर के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके परिवारजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की।

ग्राम पंचायत मदनपुर में हुआ नवीन ग्राम पंचायत भवन का भूमिपूजन

कोरबा । कोरबा जिले के ग्राम पंचायत मदनपुर में ग्रामीणों की वर्षों पुरानी मांग आखिरकार पूरी हो गई। यहां नवीन ग्राम पंचायत भवन का भूमिपूजन जनपद पंचायत कोरबा की अध्यक्ष श्रीमती बिजमोती अभिमन्यु राठिया के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीणों के साथ मिलकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भवन निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। श्रीमती राठिया ने कहा कि गांव के विकास के लिए सशक्त पंचायत भवन की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। अब यह भवन न केवल पंचायत कार्यों के संचालन में सहायक होगा, बल्कि ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण, बैठकों और सामाजिक कार्यक्रमों के लिए भी केंद्र बिंदु बनेगा। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार गांव-गांव में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है, और इस भवन के निर्माण से मदनपुर पंचायत को नई पहचान मिलेगी। ग्रामवासियों ने इस स्वीकृति पर हर्ष व्यक्त करते हुए अध्यक्ष श्रीमती बिजमोती अभिमन्यु राठिया का आभार प्रकट किया और कहा कि उनके प्रयासों से गांव को यह बड़ी सौगात मिली है। भूमिपूजन कार्यक्रम में सरपंच श्रीमती कवित्री श्याम राठिया, उपसरपंच राम प्रसाद, रविंद्र राठिया, राय सिंह, सोहन सिंह, मरदल सिंह, मगलेश्वर राठिया सहित पंचगण और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

जमनीपाली में धूमधाम से मनाया गया दशहरा महोत्सव

कोरबा। कोरबा जिले के वार्ड क्रमांक 54, जमनीपाली में इस वर्ष का भव्य दशहरा महोत्सव अत्यंत उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में नगर निगम कोरबा की महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस अवसर पर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और पवनपुत्र हनुमान की आरती कर रावण दहन किया। पूरा परिसर जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। भगवान श्रीराम के आदर्शों और जीवन मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए वक्ताओं ने कहा कि यह पर्व केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि सत्य की असत्य पर और धर्म की अधर्म पर विजय का प्रतीक है। उक्त कार्यक्रम के दौरान मंडल अध्यक्ष मनोज लहर, पार्षद नरेंद्र देवांगन, कौशल देवांगन, अनिल सहित अनेक गणमान्य अतिथि मंच पर उपस्थित रहे। महापौर संजू देवी राजपूत ने अपने संबोधन में कहा कि दशहरा हमें यह सिखाता है कि अहंकार, अन्याय और असत्य का अंत निश्चित है। हमें सदैव सत्य, धर्म और न्याय के मार्ग पर चलना चाहिए। स्थानीय नागरिकों ने पारंपरिक वेशभूषा में भाग लेकर आयोजन को भव्य स्वरूप प्रदान किया। रावण दहन के क्षणों में आतिशबाजी और जयघोष से पूरा मैदान राममय हो गया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, सभी ने इस पर्व का आनंद उल्लासपूर्वक लिया। महोत्सव के समापन अवसर पर आयोजक मंडल की ओर से आए हुए सभी अतिथियों एवं नागरिकों का आभार व्यक्त किया गया।

राज्य सलाहकार श्रीमती मोनिका सिंह द्वारा विभिन्न ग्रामों का किया गया भ्रमण

कोरबा । श्रीमती मोनिका सिंह राज्य सलाहकार (रा.स्व.भा.मि.ग्रा.) एवं संभाग प्रभारी (बिलासपुर) के द्वारा आज कोरबा जिले मे जनपद पंचायत कटघोरा के ग्राम पंचायत ढपढप, शुक्लाखार, पौंसरा, चाकाबुडा तथा सिंघाली का भ्रमण किया गया। श्रीमती सिंह द्वारा सभी स्वच्छाग्राही से गांव में हो रहे कचरा कलेक्शन के गीले और सूखे कचरे के पृथकीकरण के विषय में विस्तार से चर्चा किया गया। ग्रामीणों द्वारा घर से देने वाले कचरे को अलग अलग करने हेतु आग्रह एवं सभी लोगो को प्रेरित किया गया। यूज़र चार्जेस एवं प्रोत्साहन राशि के विषय में चर्चा कर स्वच्छग्राहियों का उत्साहवर्धन किया। गांव में निर्मित सामुदायिक शौचालय का निरीक्षण कर उनके निरंतर उपयोग व रखरखाव के बारे में बताया गया। इसमें जिला समन्वयक, ब्लॉक समन्वयक, स्वच्छाग्राही के अध्यक्ष, सचिव, समूह की दीदियां, व गांव के सरपंच, सचिव, ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

'मेरा रेशम मेरा अभिमान' अभियान के तहत कोरबी एवं जिल्गा में जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

कोरबा। मेरा रेशम मेरा अभिमान अभियान के अंतर्गत कोरबा ज़िले के ग्राम कोरबी एवं जिल्गा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। दोनों आयोजन में 100 से अधिक किसानों ने भाग लेकर सीएसबी-सीटीआरटीआई रांची की उन्नत तकनीकों की जानकारी प्राप्त की, जिससे कोरबा क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण तसर कोकून उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा।केन्द्रीय रेशम बोर्ड बिलासपुर से डॉ. हसनसाब नदाफ, वैज्ञानिक-डी एवं श्री उदय पोखर, फील्ड असिस्टेंट उपस्थित रहे। श्री बी. एस. भंडारी, सहायक निदेशक (रेशम), कोरबा, श्री जनमजय (ऑपरेटर) एवं श्री एन. एस. कंवर (फील्डमैन) ने सक्रिय सहयोग दिया।

जागरूकता कार्यक्रम में किसानों में तसर रेशम उत्पादन के प्रति नई ऊर्जा और उत्साह देखने को मिला।

रेलवे के जीएम ने किया उरगा- कोरबा-गेवरारोड सेक्शन का निरीक्षण

कोरबा स्टेशन में चल रहे विकास कार्यों तथा सेक्शन के बालपुर,मड़वारानी,उरगा,गेवरारोड स्टेशन का किये निरीक्षण

कोरबा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल के चांपा-बाराद्वार-उरगा-कोरबा- गेवरारोड रेल खण्ड का विस्तृत संरक्षा निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न स्टेशनों एवं मध्यवर्ती खण्डों का गहन अवलोकन करते हुए यात्री सुरक्षा तथा रेल परिचालन से संबंधित व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक बिलासपुर, प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक, प्रधान मुख्य इंजीनियर, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी(निर्माण), मुख्य प्रशासनिक अधिकारी आरएसपी, प्रधान मुख्य संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता सहित मंडल के शाखाधिकारी उपस्थित थे महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश सारागांव -गेवरारोड सेक्शन के मध्य बालपुर स्टेशन का निरीक्षण, मड़वारानी रेलवे स्टेशन में यार्ड, क्रासिंग का संरक्षा निरीक्षण के साथ दोनों तरफ के लॉन्ग लूप्स आदि का बारीकी से अवलोकन किए तथा उरगा एवं गेवरारोड रेलवे स्टेशन के अवसंरचना कार्यों का स्थल निरीक्षण करते हुये कोरबा स्टेशन पहुंचे कोरबा स्टेशन में उन्होने अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित हो रहे यात्री सुविधाओं से जुड़े निर्माण एवं उन्नयन कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने स्टेशन परिसर, प्रतीक्षालय, सर्कुलेटिंग एरिया, सेकेंड एंट्री तथा निर्माणाधीन ढाँचागत कार्यों के प्रगति की समीक्षा के साथ पिट लाइन का निरीक्षण किये तथा इसके सफल क्रियान्वयन हेतु अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने मीडिया के प्रतिनिधियों से यात्री सुविधा विकास, सुरक्षा, संरक्षा, निर्माण परियोजनाओं जैसे मुद्दों पर चर्चा की ।महाप्रबंधक ने निरीक्षण के दौरान उपस्थित अधिकारियों से तकनीकी एवं परिचालन संबंधी बिंदुओं पर चर्चा की और कार्यों में और अधिक गति लाने के निर्देश दिए।

एचटीपीएस के विभागीय अस्पताल में विद्युतकर्मियों के लिए खून व पेशाब जांच की सुविधा शुरू

कोरबा । हसदेव ताप विद्युत गृह (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम के विभागीय चिकित्सालय में अब खून व पेशाब की जांच की सुविधा विद्युत कर्मचारियों एवं पेंशनरों को मिल सकेगी। बुधवार को मुख्य अभियंता श्री पीके श्रीवास्तव के हाथों चिकित्सालय स्थित पैथोलॉजी लैब में जांच मशीनों का शुभारंभ किया गया। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार इन मशीनों की स्थापना के बाद मरीजों को खून व पेशाब की जांच की सुविधा का लाभ अपने ही चिकित्सालय परिसर में मिल सकेगा। यहां अब सीबीसी, एलएफटी, आरएफटी, लिपिड प्रोफाइल, इएसआर, यूरिन की जांच की सुविधा का लाभ विद्युतकर्मियों को मिलेगा। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता एमके गुप्ता, पीके स्वैन, राजेश पांडे, केएनबी राव, सुधीर पंड्या, एससी पाठक एवं अधीक्षण अभियंता जीडी बर्वे समेत चिकित्साधिकारी एवं स्टॉफ उपस्थित रहे।

छठघाटों को किया जा रहा व्यवस्थित, आयुक्त ने देखी व्यवस्था

आगामी 25 अक्टूबर से हो रही भगवान सूर्य की उपासना व छठी मईया की पूजा-अर्चना के महान पर्व छठ पर्व की शुरूआत

कोरबा । कोरबा नगर निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय कोरबा नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न स्थलों पर स्थित छठघाटों में पहुंचे, उन्होने छठघाटों का निरीक्षण किया, वहाँ की जाने वाली विविध व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं छठघाटों की साफ-सफाई, चेजिंग रूम स्थापना, पानी व प्रकाश व्यवस्था, छठघाटों तक पहुंचने हेतु मार्ग की सफाई एवं आवश्यक मरम्मत सुधार कार्य सहित अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में त्वरित कार्यवाही हेतु अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि भगवान सूर्यदेव की उपासना व छठी मईया की पूजा-अर्चना के महान पर्व छठपर्व की शुरूआत इस वर्ष 25 अक्टूबर को नहाय खाय से हो रही है तथा अगले दिनों क्रमशः खरना, छठ पूजा, संध्या अर्ध्य आदि के साथ 28 अक्टूबर प्रातः भगवान सूर्य को प्रातः अर्ध्य प्रदान कर पर्व का समापन होगा। नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र के अंतर्गत स्थित समस्त छठघाटों में आवश्यक व्यवस्थाएं किए जाने के संबंध में महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत एवं आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने निगम के अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए थे। आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने ढेगुरनाला स्थित छठघाट, बालको बेलगरी नाला राममंदिर के समीप स्थित छठघाट एवं पम्प हाउस स्थित छठघाट का अधिकारियों की टीम के साथ निरीक्षण किया तथा विभिन्न छठघाटों में की जाने वाली आवश्यक व्यवस्थाओं व सुविधाओं के संबंध में स्थल का जायजा लेते हुए अधिकारियों को समुचित दिशा-निर्देश दिए। आयुक्त श्री पाण्डेय ने छठघाटों में आवश्यकतानुसार मरम्मत व सुधारकार्य एवं विशेष साफ-सफाई के साथ-साथ छठघाटों में पानी की पर्याप्त उपलब्धता बाबत आवश्यक कार्यवाही त्वरित रूप से प्रारंभ किए जाने के निर्देश दिए।

उन्होने कहा कि छठघाटों में स्नान के पश्चात चेजिंग हेतु चेजिंग रूम स्थापित कराएं एवं छठघाटों में आने-जाने के मार्गो में रात्रि के समय पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था रहे यह भी सुनिश्चित करें, स्ट्रीट लाईटों को चेक कर लें एवं आवश्यकतानुसार स्ट्रीट लाईट की व्यवस्था भी करें। आयुक्त श्री पाण्डेय ने छठघाट तक आने जाने के मार्ग की साफ-सफाई व आवागमन को सुगम बनाए जाने के संबंध में भी त्वरित रूप से कार्यवाही किए जाने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

छठघाटों के निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त विनय मिश्रा, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय तिवारी, जोन कमिश्नर भूषण उरांव, अखिलेश शुक्ला, एन.के. नाथ, सहायक अभियंता राहुल मिश्रा, लीलाधर पटेल, सहायक राजस्व अधिकारी सुमित गुप्ता, दिलेश्वर सिंह, वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक सुनील वर्मा, उपअभियंता सोमनाथ डेहरे, अश्वनी दास, पुरूषोत्तम शर्मा, रामू पाण्डेय आदि सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे।

नर्सिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन की ऑनलाईन तिथि तीन दिन बढ़ी

कोरबा। राज्य के नर्सिंग महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए ऑनलाईन आवनेदन करने की तिथि तीन दिन बढ़ा दी गई है। विद्यार्थी अब 17 अक्टूबर शाम पांच बजे तक नर्सिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाईन आवेदन भर सकेंगे। नर्सिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए काउंसलिंग समिति के अध्यक्ष ने इस बारे में सूचना भी जारी कर दी

तसर रेशम के विपणन को मिली नई दिशाः 'मेरा रेशम मेरा अभिमान' अभियान के तहत कोरबा में जागरूकता कार्यक्रम सह क्रेता-विक्रेता मिलन संपन्न

कोरबा। रेशम तकनीकी सेवा केंद्र, केंद्रीय रेशम बोर्ड, बिलासपुर द्वारा आज मेरा रेशम मेरा अभिमान अभियान के अंतर्गत डिंगापुर, कोरबा में एक विशाल जागरूकता कार्यक्रम सह क्रेता-विक्रेता मिलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम ने तसर रेशम उद्योग से जुड़े हितधारकों को एक साझा मंच प्रदान किया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़, ओडिशा एवं झारखंड राज्यों से आए 13 से अधिक तसर व्यापारियों सहित कुल 130 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य तसर रेशम क्षेत्र में विपणन से जुड़ी समस्याओं पर गहन चर्चा कर उनके समाधान हेतु ठोस रणनीतियाँ तैयार करना था। साथ ही, राज्य रेशम विभाग एवं रेशम तकनीकी सेवा केंद्र द्वारा विकसित ऑनलाइन विपणन प्लेटफॉर्म के बारे में भी प्रतिभागियों को जानकारी प्रदान की गई। इसका लक्ष्य एकल एवं स्व-सहायता समूहों के रीलर, स्पिनर और बुनकर और व्यापारियों के बीच सीधा संबंध स्थापित करना, मार्केटिंग नेटवर्क को मजबूत करना, राज्य में निर्मित तरह-तरह के धागों को अधिक से अधिक क्रेताओं तक पहुंचाना एवं भविष्य में व्यापार के लिए अधिक विकल्प उपलब्ध करवाना रहा।

कार्यक्रम के पहले सत्र में श्री अशोक कुमार, वैज्ञानिक-बी, रेशम तकनीकी सेवा केंद्र, बिलासपुर द्वारा मुख्य अतिथि डॉ. राजेश बघेल, अपर संचालक, ग्रामोद्योग विभाग (रेशम प्रभाग), छत्तीसगढ़ शासन, एवं श्री बालभद्र सिंह भंडारी, जिला रेशम अधिकारी, कोरबा का स्वागत किया गया।

श्री अशोक कुमार ने बताया कि कोरबा जिले में किए गए 8 कार्यक्रमों के दौरान यह पाया गया कि तसर रेशम धागे की मार्केटिंग एक मुख्य समस्या है, जिससे अधिकतर धागा उत्पादक प्रभावित हैं। इस समस्या के समाधान के लिए ही केंद्रीय रेशम बोर्ड-रेशम तकनीकी सेवा केंद्र, बिलासपुर द्वारा इस जागरूकता एवं क्रेता-विक्रेता मिलन का आयोजन किया गया है। उन्होंने व्यापार में सुगमता के लिए बनाए गए व्हाट्सएप ग्रुप की भी जानकारी दी।

डॉ. राजेश बघेल, अपर संचालक ने प्रतिभागियों को कोसे एवं धागे की उपलब्धता एवं बिक्री के लिए राज्य रेशम विभाग द्वारा बनाए गए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की जानकारी दी, जिसकी। श्री बालभद्र सिंह भंडारी, जिला रेशम अधिकारी, कोरबा ने सभी प्रतिभागियों को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस दौरान व्यापारियों, स्व-सहायता समूह के अध्यक्षों, वैज्ञानिकों,

खाद वितरण में किये गये अनियमितता पर समिति प्रबंधक के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराने तथा सेवा से बर्खास्त करने कलेक्टर ने दिए

कोरबा । आदिम जाति सेवा सहकारी समिति केंद्र मोरगा, विकास खण्ड पोड़ी उपरोड़ा, जिला कोरबा के प्रबंधक के विरूद्ध खरीफ वर्ष 2025-26 में खाद वितरण में गड़बड़ी एवं अनिमियतता करने संबंधी शिकायत प्राप्त होने के पश्चात की गई जांच में शिकायत सही पाये जाने पर कलेक्टर श्री अजीत वसंत द्वारा समिति प्रबंधक श्री महेन्द्र शर्मा के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराने, आरोपी कर्मचारी को सेवा से पृथक करने और गबन की गई राशि आरोपी से वसूलने के निर्देश दिया गया है। कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पोंड़ी उपरोड़ा द्वारा दिये गये जांच प्रतिवेदन के आधार पर उक्त कार्यवाही के निर्देश दिये हैं।

इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार पोंड़ी उपरोड़ा मोरगा क्षेत्र के किसानों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा आदिम जाति सेवा सहकारी समिति केंद्र मोरगा के प्रबंधक के विरूद्ध खरीफ वर्ष 2025-26 में खाद वितरण में गड़बड़ी एवं अनिमियतता करने संबंधी शिकायत की गई थी। कलेक्टर द्वारा प्राप्त शिकायत की जांच कराई गई। जांच हेतु राजस्व व कृषि विभाग के 04 सदस्यीय संयुक्त जांच दल गठित किया गया, जिसमें श्री सुमनदास मानिकपुरी नायब तहसीलदार पोड़ी उपरोड़ा, श्री अखिलेश देंवागन प्रभारी वरिष्ठ ग्रामीण कृषि विकास अधिकारी विकास खण्ड पोड़ी उपरोड़ा, श्री रंजीत भगत राजस्व निरीक्षक एवं श्री राकेश यादव ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी मोरगा शामिल थे।

संयुक्त जांच दल द्वारा मोरगा समिति में संधारित अभिलेखो, बिक्री पंजी, डिलवरी मेमो, पीओएस मशीन की एन्ट्री का अवलोकन एवं जांचोपरांत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित मोरगा में उपलब्ध डिलवरी मेमो एवं चालान के अनुसार 01 अप्रैल 2025 से दिनांक 01 सितंबर 2025 तक समिति को 09 ट्रक खाद (उर्वरक) का प्राप्त हुये जिसमें यूरिया 45 किलोग्राम-2180 बोरी, सुपर फास्फेट-400 बोरी, डीएपी- 320, एनपीके-1800, पोटाश-160, नैनो यूरिया 480 तथा नैनो डीएपी 240 बोरी प्राप्त हुई थी।

संयुक्त जांच दल ने जांच कर अपने निष्कर्ष में बताया है कि समिति द्वारा संधारित वितरण पंजी एवं पी.ओ.एस. पंजी में खाद (उर्वरक) की मात्रा - 1. यूरिया-164 बोरी, 2. डी.ए.पी.-44 बोरी, 3. एन.पी.के.-79 बोरी, 4. पोटाश (एमओपी)-08 बोरी का अंतर पाया गया है। यह घोर अनिमियतता की श्रेणी में आता है एवं उर्वरक नियंत्रण आदेश-1985 की धारा 35 और आवश्यक वस्तु अधिनियम-1955 की धारा 03 व 07 का उल्लघंन होने पर प्रबंधक को तत्काल प्रभाव से हटाने एवं उचित कार्यवाही किये जाने की अनुशंसा किया गया है। इसके साथ ही प्रबंधक जिसके विरूद्ध शिकायत किया गया है वह प्रबंधक एवं डाटा एन्ट्री ऑपरेटर दोनो पद पर कार्यरत है। जिन्होने अपने बयान कथन में स्वीकार किया है कि धान खरीदी एवं खाद बिक्री से संबंधित समस्त कार्य का निष्पादन एवं स्टॉक अद्यतन का कार्य प्रबधंक अर्थात स्वयं के द्वारा ही किया जाता है। प्रबंधक द्वारा स्कंद पंजी का संधारण नहीं किया गया है, केवल डिलवरी चालान एवं इनवॉरस की मूल प्रति की उपलब्धता है। प्रबंधक द्वारा यह तथ्य स्वीकार किया गया है कि केवल 09 ट्रक खाद (उर्वरक) आया है, जिसमें से 05 ट्रक खाद (उर्वरक) का वितरण किया जा चुका है एवं शेष खाद (उर्वरक) को अन्य किसानो के खाते में जोड़ा गया है, जिसका भुगतान प्रबंधक द्वारा स्वयं किया जायेगा। ग्रामीणो के द्वारा जिन दो व्यक्तियों का फौत होना बताया गया है, उनके खाते से मृत व्यक्ति का फर्जी हस्ताक्षर कर खाद (उर्वरक) का उठाव किया गया है, उक्त संबंध में प्रबंधक द्वारा कोई जवाब नहीं दिया गया।

इस प्रकार संयुक्त जांच दल द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन एवं संलग्न दस्तावेजो के अवलोकन से यह स्पष्ट है कि आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित मोरगा के प्रबंधक द्वारा स्कंध पंजी का संधारण नहीं किया गया है। समिति द्वारा संधारित पंजी, पी.ओ.एस. मशीन से किये गये खाद (उर्वरक) की बिक्री रजिस्टर तथा कृषको के लिखित बयान (कथन) भिन्नता होने से प्रबंधक के विरूद्ध कृषको द्वारा की गयी शिकायत की पुष्टि हो रही है। यह घोर अनियमितता की श्रेणी में आता है। समिति के प्रबंधक श्री महेन्द्र शर्मा द्वारा उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 की धारा 35, आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 03 व 07 तथा सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 की धारा 74 (झ), (ट), (ठ) के उपबंधो का अनुपालन में गंभीर चूक की गई है। अतः प्रबंधक के विरूद्ध एफआई आर दर्ज कराते हुये तत्काल प्रबंधक को पद से हटाते हुये वसूली की कार्यवाही किये जाने की अनुशंसा पर कलेक्टर श्री अजीत वसंत द्वारा समिति प्रबंधक श्री महेन्द्र शर्मा के विरूद्ध संबंधित विभाग को एफआईआर दर्ज कराने, आरोपी कर्मचारी को सेवा से पृथक करने और गबन की गई राशि आरोपी से वसूलने के निर्देश दिया गया है।

सुभाष चौक से घंटाघर के चौक बीच 3 जगह और पावर हाउस रोड की ओर मल्टीलेवल के सामने रहेगी पार्किंग

कोरबा । कोरबा जिला का बाजार भी दिवाली के लिए सजधज कर तैयार है। लोग खरीदारी के लिए पहुंचने लगे हैं। टी.पी. नगर चौक और सीएसईबी चौक पर सुबह से रात तक वाहनों की आवाजाही बढ़ गई है। उपनगरीय क्षेत्र से भी लोग बाजार आने लगे हैं। इसके कारण पावर हाउस रोड, शारदा विहार मोड़ पर जाम लग रहा है। धनतेरस-दिवाली पर बाजार और सड़कों पर लगने वाले जाम से निपटने यातायात पुलिस ने एक प्लान तैयार किया है। सुगम यातायात के लिए 10 जगहों पर डायवर्सन पाइंट बनाए गए हैं। यहां से खास तौर पर चार पहिया वाहनों को दूसरे रूट पर डायवर्ट करेंगे। किसी भी रोड पर जाम लगने पर उस जगह से दोनों ओर से ट्रैफिक और डायवर्सन पाइंट से वाहनों की एंट्री बंद करा दी जाएगी। वहीं भीड़ वाले बाजार क्षेत्र में पार्किंग भी बनाए गए हैं।

डायवर्सन व पार्किंग से मिलेगी जाम में राहत

कोरबा जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने बताया की धनतेरस-दिवाली में बाजार में जाम न लगे इसके लिए प्रमुख स्थानों पर डायवर्सन पाइंट बनाए हैं। भीड़ वाले क्षेत्रों में पार्किंग स्थल भी बनाए हैं।

स प्रमुख स्थानों पर बनाये गए डायवर्सन पाइंट

1. शनि मंदिर तिराहा

रेलवे स्टेशन व उरगा से टी.पी. नगर आने वाले वाहन शनि मंदिर से होकर नहर रोड से गुजरते हैं। जिससे सुनालिया नहर पुल सहित पावर हाउस रोड जाम लग जाता हैं। शनि मंदिर के पास से डायवर्सन से चार पहिया वाहन पुराना बस स्टैंड से ओवरब्रिज, अग्रसेन चौक होकर टीपी नगर पहुंचेंगे।

2. राताखार मोड़ (सर्वमंगला पुल)

कुसमुंडा सहित आसपास से लोग आते हैं। रेलवे फाटक के पास ओवरब्रिज के नीचे जाम लगता है। राखातार मोड़ को डायवर्सन पाइंट बनाया गया है। चार पहिया वाहन अग्रसेन चौक भेजे जाएंगे। वे वापसी मिशन रोड से कर सकेंगे।

3. रेलवे क्रॉसिंग

अक्सर फाटक बंद होने और पुराना बस स्टैंड व कोयलांचल से वाहनों के आने से जाम लगता है। जाम न लगे, इस हेतु वाहनों की एंट्री रोक दूसरे रोड पर डायवर्सन पाइंट में दूसरे रोड पर डायवर्ट किया जाएगा।

4. अग्रसेन तिराहा

सुनालिया चौक व पावर हाउस रोड की ओर जाम की स्थिति में अग्रसेन तिराहा पहुंचने वाले वाहनों को राताखार-तुलसी नगर रोड की ओर डायवर्ट किया जाएगा।

5. सुनालिया चौक

पावर हाउस रोड पर जाम होने पर सुनालिया चौक से अलग-अलग सड़क पर डायवर्ट किया जाएगा। चौक से ही डायवर्ट कर पार्किंग में भेजेंगे।

6. शारदा विहार रेलवे फाटक

पावर हाउस रोड आने वाले वाहनों से तिराहा पर जाम लगता है। इसका असर सुनालिया चौक और ट्रांसपोर्ट नगर पर पड़ता है। वाहनों को टी.पी. नगर चौक की ओर डायवर्ट करेंगे।

7. टीपी नगर चौक

पावर हाउस रोड की ओर जाम लगने पर टी.पी. नगर चौक पर वाहनों को डायवर्ट कर स्टेडियम रोड से राताखार की ओर भेजा जाएगा। इसके आगे अग्रसेन तिराहा होकर वाहन पावर हाउस रोड या पुराना बस स्टैंड की ओर निकलेंगे।

8. सीएसईबी चौक

ट्रांसपोर्ट नगर मेन रोड या चौक पर जाम लगने की स्थिति में सीएसईबी चौक से वाहनों को स्टेडियम रोड व पंप हाउस बायपास पर डायवर्ट किया जाएगा। यहां से आसानी से वाहन निकलेंगे।

9. घंटाघर चौक

घंटाघर से सुभाष चौक के बीच जाम लगने पर घंटाघर से वाहनों को डायवर्ट कर एम.पी. नगर कॉलोनी के रास्ते सुभाष चौक की ओर भेजा जाएगा।

10. सुभाष चौक

निहारिका से घंटाघर के बीच जाम लगने पर कोसाबाड़ी व सीएसईबी कॉलोनी की ओर से पहुंचने वाले वाहनों को आरामशीन तो दूसरी ओर कल्पतरू तिराहे की ओर डायवर्ट करेंगे। इससे वाहन सीधे घंटाघर व बुधवारी की ओर निकलेंगे।

स जाम से बचना है तो यहां खड़े करें वाहन

*** मल्टीलेवल पार्किंग**

शारदा विहार मोड़ से सुनालिया पुल होकर ओवरब्रिज के नीचे तक जाम लगता है। चारपहिया वाहनों के लिए मल्टीलेवल पार्किंग के सामने हिस्से को पार्किंग बनाया है। बाजार में जाम लगने पर पुलिस सुनालिया चौक से वाहनों को डायवर्ट कर यहां भेजेगी।

*** पुराना बस स्टैंड**

पुराना शहर का प्रमुख क्षेत्र पुराना बस स्टैंड से मेन रोड कोरबा की ओर है। यहां के लिए पुराना बस स्टैंड को पार्किंग बनाया है। यहां चार पहिया वाहनों को खड़े कर खरीदी करने जा सकेंगे।

*** सुभाष चौक**

सुभाष चौक से घंटाघर के बीच पार्क व चौपाटी सहित घंटाघर है। त्यौहारी सीजन में जाम की स्थिति रहती है। इसके लिए आर.पी. नगर, दशहरा मैदान व फल उद्यान को पार्किंग बनाया गया है।

*** घंटाघर मैदान**

बुधवारी सहित एसईसीएल कॉलोनी व रिहायशी क्षेत्र शिवाजी नगर, एम.पी. नगर, आर.एस.एस नगर की ओर से क्षेत्र में वाहनों को खड़े करने घंटाघर मैदान खरीदी के लिए पहुंचने वालों के को पार्किंग बनाया गया है।

चारा,पानी और देखरेख की उचित व्यवस्था के अभाव में मौत हो रही मवेशियों की

जांजगीर-चांपा। जिले के पामगढ़ ब्लॉक स्थित खोरसी गांव के गौठान में मवेशियों की मौत का सिलसिला जारी है। बिना किसी सरकारी या प्रशासनिक अनुमति के सैकड़ों मवेशियों को गौठान में रखा गया है, लेकिन चारा, पानी और देखरेख की उचित व्यवस्था न होने के कारण पशुओं की लगातार मौतें हो रही हैं। गत बुधवार को एक मवेशी की मौत हो गई। एक सप्ताह में करीब 6 से 7 मवेशियों की मौत हो चुकी है।

जानकारी के अनुसार, शिवरीनारायण थाना क्षेत्र के खोरसी गांव में फसलों की सुरक्षा के लिए ग्रामीणों ने दो माह पहले गौठान को फिर से शुरू किया था। ग्रामीणों ने गौठान की देखरेख के लिए 13 हजार रुपए मासिक वेतन पर एक चरवाहा, गेंदी लाल यादव, को भी रखा है। चरवाहे ने बताया कि मवेशी बीमार हो जाते हैं, लेकिन इलाज न मिलने के कारण उनकी मौत हो जाती है।

बताया जा रहा है कि गांव के कुछ लोगों ने गौठान की जमीन पर कब्जा कर साग-सब्जी की खेती शुरू कर दी है और सोलर पंप का उपयोग कर रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए, एडिशनल कलेक्टर ज्ञानेंद्र सिंह ने तत्काल एक जांच टीम गठित कर मामले की विस्तृत जांच के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश में सरकार बदलने के बाद भाजपा सरकार ने गौठान योजना पर रोक लगा दी है। इसके बावजूद खोरसी गांव में मवेशियों को बिना भोजन-पानी के गौठान में रखा जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इससे मवेशियों की मौतें हो रही हैं, और अभी तक उनकी देखभाल या उपचार की कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई है।

प्रशासन ने जांच के आदेश तो दिए हैं, लेकिन ग्रामीणों की मांग है कि मवेशियों के भोजन, इलाज और गौठान संचालन की जिम्मेदारी तय की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

प्रेक्टिकल में अधिक नंबर देने का लालच देकर प्राचार्य ने छात्रों से करायी क्लास रूम की पोताई

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा जिले में स्कूली छात्रों से पुताई कराए जाने का मामला सामने आया है। पामगढ़ के डोंगाकोहरौद स्थित स्वामी आत्मानंद हाई स्कूल का एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें छात्र-छात्राएं क्लासरूम की पुताई करते दिख रही है।

बताया जा रहा है स्कूल के प्रिंसिपल ने छात्रों को प्रैक्टिकल नंबर बढ़ाने का लालच दिया था, जिसके बाद वे लिपाई-पुताई के काम में लग गए। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कलेक्टर ने प्राचार्य के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

वहीं, कांग्रेस ने भी वीडियो शेयर कर सरकार पर सवाल उठाए है। कांग्रेस ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि शिक्षा के मंदिर में बच्चे मजदूर बन गए। शिक्षा मंत्री, मुख्यमंत्री और उनकी सरकार कहां हैं? प्राचार्य पर आरोप है कि उन्होंने छात्रों को अपनी कक्षाएं रंगने का फरमान सुनाया था, जिसके बदले अच्छे प्रैक्टिकल नंबर देने का वादा किया गया। इस घटना का वीडियो सामने आने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) द्वारा एक जांच समिति गठित की गई थी।

जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। पामगढ़ बीईओ ने डोंगाकोहरौद गांव के आत्मानंद हाई स्कूल का निरीक्षण किया और प्राचार्य से जवाब मांगा। प्राचार्य ने स्वीकार किया कि स्कूल कक्षा की सजावट का काम कराया गया था, लेकिन उन्होंने दावा किया कि छात्र-छात्राओं ने यह काम अपनी मर्जी से किया।

हालांकि, छात्र-छात्राओं से पूछताछ करने पर सच्चाई सामने आई। उन्होंने बताया कि प्राचार्य ने अपनी-अपनी कक्षा की पुताई करने पर अच्छे प्रैक्टिकल नंबर देने का लालच दिया था। इस खुलासे के बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने जांच रिपोर्ट कलेक्टर को सौंपी।

कलेक्टर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दोषी प्राचार्य के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का आदेश दिया है। यह कार्रवाई पढ़ाई छोड़कर ब्रश और पेंट लेकर स्कूल के कमरों की पुताई कर रहे कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों से काम कराने के मामले में की गई है।

कांग्रेस ने उठाए सवाल

छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ये वीडियो अपलोड कर सरकार पर सवाल उठाया है। फेसबुक पर लिखा कि शिक्षा का मंदिर बना पुताई घर, बच्चे बन गए मजदूर!

अवैध शराब की बिक्री 3 महिलाओं पर कार्रवाई

सक्ती। ग्राम असौंदा में महिला समूह की सक्रियता से अवैध शराब निर्माण और बिक्री पर कार्रवाई हुई है। महिला समूह ने पहले शराब विक्रेताओं को महुआ शराब बनाकर बेचने से मना किया था। चेतावनी के बावजूद बाहरी गांवों से लोग आकर शराब पीकर गांव का माहौल खराब कर रहे थे।

महिला समूह की शिकायत पर सहायक जिला आबकारी अधिकारी आशीष उप्पल के नेतृत्व में दबिश दी गई। कार्रवाई में सुमति उरांव से 8 लीटर, सोनी उरांव से 6 लीटर और अनिता उरांव से 2 लीटर महुआ शराब बरामद हुई। सुमति और सोनी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) तथा अनिता के खिलाफ धारा 34(1)(क) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। साथ ही शासकीय भूमि से 10 डिब्बों में भरा 200 किलो महुआ लाहन जब्त कर मौके पर नष्ट किया गया। अधिकारियों ने बताया कि आगे भी महिला समूह के सहयोग से लगातार कार्रवाई की जाएगी।

शिकायत की जांच पर पहुंचे एबीओ को मिली स्कूल में भारी गड़बड़ी

बलौदा। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बुड़गहन में शिक्षण व्यवस्था और अनुशासनहीनता की लगातार शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिला शिक्षा अधिकारी ने सहायक विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी पुष्पा कोरी को जांच के लिए भेजा। जनप्रतिनिधियों के शाला निरीक्षण के दौरान गड़बड़ी सामने आई थी, जिसकी शिकायत विभाग से की गई थी।

जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में की गई जांच में शाला की बदहाल स्थिति सामने आई है। जांच अधिकारी को शिक्षकों की उपस्थिति में भारी अनियमितता, मनमर्जी से स्कूल आना-जाना और अवकाश स्वीकृति में खामियां मिलीं। सबसे गंभीर विषय अध्यापन कार्य की गुणवत्ता में कमी रही। छात्र

अंग्रेजी और हिंदी की पुस्तकें भी ठीक से पढ़ नहीं पा रहे थे। जांच के दौरान छात्रों के पास से भी मोबाइल फोन मिले।

शाला भवन में गंदगी पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। चौंकाने वाली बात यह रही कि शाला प्रबंधन ने जांच अधिकारी को निरीक्षण पंजी तक उपलब्ध नहीं कराई, जिसके बाद जनप्रतिनिधियों को नई पंजी देनी पड़ी। निरीक्षण के दौरान सरपंच नवलकिशोर सिंह, जिला पंचायत सभापति प्रतिनिधि रवि वचन रात्रे, जनपद पंचायत सभापति अश्विनीकुमार दिनकर सहित शाला प्रबंधन समिति के सदस्य और विधायक प्रतिनिधि (शाला) मौजूद रहे। सभी ने शाला की अव्यवस्था पर चिंता जताई और शिक्षकों के लापरवाह रवैये पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। डीईओ से इस संबंध में विस्तृत जांच रिपोर्ट के आधार पर कठोर कदम उठाने की अपेक्षा है ताकि शिक्षण व्यवस्था सुधारी जा सके।

स्कूल में मिली कई खामियां ट्टडीईओ के निर्देश पर मैंने शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में जांच की। कई शिकायतें सही पाई गई हैं। शाला स्टाफ में आपसी समन्वय की कमी है। स्टूडेंट आसान प्रश्नों का भी सही जवाब नहीं दे पा रहे थे। जांच प्रतिवेदन डीईओ को सौंप दिया जाएगा। - पुष्पा कोरी, एबीईओ, बलौदा, जांच अधिकारी

शिक्षकों से न लिया जाए गैर शिक्षकीय कार्य:समन्वयक संघ

जांजगीर। शैक्षिक समन्वयक संघ ने अपनी विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर जांजगीर-चांपा के कलेक्टर, जिला शिक्षा अधिकारी और जिला समन्वयक को ज्ञापन सौंपा है। इस ज्ञापन में समन्वयकों ने गैर शिक्षकीय कार्यों जैसे गिरदावरी, बीएलओ कार्य में ड्यूटी न लगाने और विनोबा एप से मॉनिटरिंग बंद करने की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है? कि स्कूल शिक्षा विभाग ने 15 सितंबर को आदेश जारी कर संकुल समन्वयकों को सप्ताह में चार दिन अध्यापन और दो दिन अकादमिक निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। इस पर समन्वयकों ने स्पष्ट किया है कि सप्ताह के दिनों के निर्धारण में उनकी भागीदारी होनी चाहिए ताकि बेहतर व्यवस्था बन सके। साथ ही वे गैर शैक्षिक कार्यों से मुक्त किए जाने की भी मांग कर रहे हैं ताकि वे अपनी मूल शैक्षिक जिम्मेदारियों पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित कर सकें।

सेक्टर स्तरीय टेबल टेनिस में एमएमआर कॉलेज विजेता

जांजगीर। सान्दीपनि विज्ञान संस्थान कॉलेज राहौद में सेक्टर स्तरीय टेबल टेनिस(पुरुष/महिला वर्ग) प्रतियोगिता कराई गई। इसमें जांजगीर सेक्टर के कुल 8 कॉलेजों ने हिस्सा लिया।

प्रतियोगिता में एमएमआर कॉलेज चांपा ने विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया, जबकि शासकीय इंद्रजीत कॉलेज अकलतरा उपविजेता रहा। आयोजन लीड कॉलेज जांजगीर की खेल अधिकारी डॉ. ख्याति शर्मा व विश्वास विश्वकर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। खेल प्रभारी चंद्राकर ने प्रतियोगिता को कुशलतापूर्वक सम्पन्न कराया। वहीं, प्रमेन्द्र यादव ने खिलाड़ियों को दिशा-निर्देश

पुलिस विभाग में तबादले, सारथी नैला थाना प्रभारी

जांजगीर। पुलिस विभाग में बड़े पैमाने पर तबादला आदेश जारी हुआ है। एसपी विजय कुमार पांडेय की ओर से जारी तबादला सूची में 84 नाम शामिल हैं। सूची के अनुसार निरीक्षक सावन कुमार सारथी को नैला चौकी प्रभारी बनाया गया है। वहीं, प्रभारी निरीक्षण राकेश कुमार सूर्यवंशी को ट्रैफिक विभाग में भेज दिया गया है। दो निरीक्षण, चार उपनिरीक्षक और पांच असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर का भी ट्रांसफर किया गया है। वहीं अलग-अलग थानों के 14 प्रधान आरक्षकों का तबादला हुआ है। इसके अलावा सूची में 84 आरक्षक भी शामिल हैं।

शराब पीकर चला रहे थे वाहन पुलिस ने तीन चालक को पकड़ा

जांजगीर। सड़क दुर्घटनाओं में हो रही वृद्धि और यातायात नियमों के लगातार हो रहे उल्लंघनों को देखते हुए यातायात पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है।

अभियान के दौरान पुलिस ने तीन शराबी वाहन चालकों को पकड़ा गया। मोटर वाहन अधिनियम की धारा 185 के तहत कार्रवाई करते हुए उनके वाहन जब्त किए गए। चालकों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। इसके अलावा तेज गति गाड़ी चलाने, बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने, मोटरसाइकिल में ट्रिपलिंग करना और अन्य नियमों की अनदेखी करने वाले कुल 37 वाहन चालकों पर चालानी कार्रवाई की गई। इन सभी से समन शुल्क वसूला गया है।

वहीं एक दूसरी घटना में खनिज विभाग के उड़नदस्ते ने रात में करही, डभरा और चन्द्रपुर क्षेत्र से रेत और चूना पत्थर का अवैध परिवहन करते 4 हाइवा और दो ट्रैक्टर को जब्त कर थाने में खड़ा करा दिया है। उनके खिलाफ छग गौण खनिज नियम 2015 और खान व खनिज(विकास और विनियमन) अधिनियम 1957 के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। सक्ती जिले के खनिज अधिकारी केके बंजारे ने बताया कि खनिज विभाग लगातार कार्रवाई कर रहा है।

बिलासपुर में मिली महिला की अधजली लाश

बिलासपुर। जिलेमें महिला की अधजली लाश मिली है। रतनपुर के खूंटाघाट डैम में झाड़ियों के बीच मिला शव 1 हफ्ते पुराना है।

क्षत-विक्षत हालत में शव के दोनों पैर साड़ी से बंधे हुए थे। पुलिस ने मर्डर के बाद शव को जलाने की आशंका जताई है। फिलहाल शव की पहचान नहीं हो पाई है।

घटना रतनपुर थाना क्षेत्र की है। डैम के पास गंध आने पर ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। जांच में पुलिस को महिला के केवल 10 प्रतिशत अंग ही मिले। बाकी 90 प्रतिशत शव डिस्पोज हो चुका था। फिलहाल घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। रतनपुर के खूंटाघाट डैम के बोटिंग पाइंट से लगभग 300 मीटर दूर झाड़ियों में बुधवार (15 अक्टूबर) को एक महिला का अधजला शव मिला। लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने देखा कि शव झाड़ी के नीचे पड़ा था और किसी ने महिला के पैरों को साड़ी से बांधकर जलाया था। जलने के कारण पैरों से साड़ी चिपकी हुई मिली है। मौके पर पहुंची पुलिस ने हत्या की आशंका को देखते हुए फोरेंसिक टीम को भी बुलाया। पुलिस इसे हत्या मानकर महिला की पहचान में जुट गई है।

दिवंगत शिक्षिका की स्मृति में परिजनों ने होनहार व उत्कृष्ट छात्राओं को छात्रवृत्ति दी

अकलतरा। शासकीय कन्या पूर्व माध्यमिक शाला में कार्यरत रहीं दिवंगत शिक्षिका लक्ष्मी साहू की स्मृति में उनके परिजनों ने शाला की छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वन विभाग के पूर्व एसडीओ विनोद साहू ने बताया कि जब वह छह महीने के थे, तब उनकी मां ने मोंटेसरी प्रशिक्षण संस्थान, जबलपुर से शिक्षक का प्रशिक्षण प्राप्त किया था। उन्होंने बहुत संघर्ष किया और अपने चारों बच्चों को बेहतर संस्कार एवं शिक्षा प्रदान की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही उषा साहू ने कहा कि लक्ष्मी साहू ने शिक्षक के रूप में बच्चों को संस्कारित करने के साथ ही शिक्षा विभाग में कई वर्षों तक अपनी सेवाएं दीं। कार्यक्रम को रवि साहू और संस्था प्रमुख रविंद्र कुमार बैस ने भी संबोधित किया। आठवीं कक्षा की गरिमा कोसले, सोनम कुर्रे, अंजुम ओगरे, विश्वजीत सोनवानी, किरण भारद्वाज और प्रीति मिरी को छात्रवृत्ति के रूप में नकद राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर राजीव कुमार साहू, सरला साहू, अंबिका कंवर, प्रेमलता कुर्रे, गीता सावलानी, नीलम धीरही, प्रियंका सिंह चौहान, पुष्पा जयसवाल, अर्चना शर्मा, स्नेहा खरवार, कांति कंवर एवं विद्यालय के समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

बिलासपुर में होने वाली राज्य कराते स्पर्धा में शामिल होंगे बाराद्वार के सात खिलाड़ी

बाराद्वार। बिलासपुर में 15 से 18 अक्टूबर तक आयोजित राज्य स्तरीय कराते प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए बाराद्वार नगर के खिलाड़ी 14 अक्टूबर को रवाना हुए। राज्य स्तर कराते प्रतियोगिता में प्रदर्शन करने के लिए बाराद्वार की आरुषि खुंटे, मुस्कान हंसे, गौरी खुंटे, रजनी खुंटे, दिनेश कुमार, युवराज देवांगन, जैक रॉस भारद्वाज का चयन हुआ था। मंगलवार को जिला कराते संघ के सचिव और कोच सुमित खुंटे के नेतृत्व में सभी खिलाड़ी बाराद्वार रेलवे स्टेशन से बिलासपुर के लिए रवाना हुए।

शहर के होटलों से मिठाईयो का सैंपल लिया गया,खोवा-नारियल बर्फी, रसगुल्ले की होगी जांच

रायगढ़। जिले में त्यौहारी सीजन को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग ने जांच अभियान चलाया है। जहां शहर के मुख्य होटलों से खोवा-नारियल बर्फी, मैसूर पाक और रसगुल्ला के साथ ही ढाबे से खाने का सैंपल लेकर जांच के लिए रायपुर भेजा गया।

दीपावली को लेकर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम शहर के तुलसी होटल में पहुंची। जहां टीम ने बने खोवा बर्फी का नमूना लिया। इसके अलावा अन्य मिठाइयों की भी जांच की।

इसके बाद यहां से टीम अलंकार होटल पहुंची, जहां निरीक्षण में शंका के आधार पर नारियल बर्फी रसगुल्ला और चावला रेस्टोरेंट से मैसूर पाक व पेड़ा का नमूना लिया गया।

साथ ही जांच टीम ने लाखा के रिंकू ढाबा का निरीक्षण करते हुए यहां से बिरयानी राइस और पका हुआ अरहर दाल का नमूना लेकर उसे जांच के लिए रायपुर के राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोग शाला भेजा गया है। जिसकी रिपोर्ट आने के बाद गड़बड़ी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने सभी प्रतिष्ठानों को निर्देशित किया है कि वे किसी भी तरह की मिलावट या असुरक्षित खाद्य

सामग्री की बिक्री न करें।

जांच रिपोर्ट के आधार पर यदि किसी भी प्रतिष्ठान में मिलावटी या अमानक खाद्य सामग्री पाई जाती है, तो संबंधित पर खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी सरिता पटेल ने बताया कि त्यौहारी सीजन को लेकर यह अभियान चलाया जा रहा है। जिले के मुख्य होटलों के मिठाइयों का सैंपल लेकर रायपुर भेजा गया है।जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा लगातार यहां जांच जारी रहेगा। ताकि लोगों को गुणवत्ता युक्त मिठाइया मिल सके।

समक्ष : श्रीमान् नोटरी पब्लिक कोरबा तहसील व जिला कोरबा (छ.ग.)

शपथ पत्र

में दिनेश कुमार साहू उम्र 45 वर्ष, पिता लखनलाल साहू पता प्लाट नं 51 अमेरी मार्ग राजधाराना बस्ती उस्लापुर बिलासपुर जिला- बिलासपुर का स्थायी निवासी हूं, जो कि निम्न कथन शपथपूर्वक करता हूं कि मैं उक्त पते पर निवासरत हूं तथा मेरा आधार क्रमांक 6230 5110 8488 है। मेरे पुत्री कृतिका साहू एवं श्रेया साहू के जन्म प्रमाण पत्र में पिता के नाम में दिनेश साहू त्रुटिवश दर्ज हो गया है। मेरे आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों में मेरे नाम दिनेश कुमार साहू दर्ज है जो की सत्य एवं सही है। मेरी दोनों पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र, में पिता के नाम में दिनेश कुमार साहू दर्ज करना चाहता हूं, जिसके संबंध में विज्ञापन जारी करना है जिसस मैं सहमत हूं। यह शपथ-पत्र मेरे द्वारा उक्ताशय के समर्थन में निष्पादित की गई है, जिसे संबंधित कार्यालय / विभाग में प्रस्तुत करना है।

शपथकर्ता
दिनेश कुमार साहू

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं प्रमोद कुमार गवेल (PRAMOD KUMAR GAVEL) पिता मनेन्द्र कुमार गवेल (MANENDRA KUMAR GAVEL) निवासी हाउस नंबर 43 जुनवानी, सक्ती (छ.ग.) यह शपथ करता हु कि मैंने अपना यह पुराना नाम प्रमोद कुमार (PRAMOD KUMAR) पिता मनेन्द्र (MANENDRA) को त्याग कर प्रमोद कुमार गवेल (PRAMOD KUMAR GAVEL) पिता मनेन्द्र कुमार गवेल (MANEN-DRA KUMAR GAVEL) नया नाम रख लिया हु। अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नये नाम प्रमोद कुमार गवेल (PRAMOD KUMAR GAVEL) पिता मनेन्द्र कुमार गवेल (MANENDRA KUMAR GAVEL) से ही जाना-पहचाना जावे।

प्रमोद कुमार गवेल
(PRAMOD KUMAR GAVEL)
हाउस नंबर 43 जुनवानी, सक्ती (छ.ग.)

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं चिरंजीवी देवांगन (CHIRANJIVI DEWANGAN) पिता मनी राम देवांगन (MANI RAM DEWANGAN) निवासी हाउस नंबर 83, वार्ड नंबर 10, अखराभाठा, सक्ती (छ.ग.) यह शपथ करता हु कि मैंने अपना यह पुराना नाम चिरंजीवी देवांगन (CHIRANJIVI DEWANGAN) पिता मनी राम (MANI RAM) को त्याग कर चिरंजीवी देवांगन (CHIRANJIVI DEWANGAN) पिता मनी राम देवांगन (MANI RAM DEWANGAN) नया नाम रख लिया हु। अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नये नाम चिरंजीवी देवांगन (CHIRANJIVI DEWANGAN) पिता मनी राम देवांगन (MANI RAM DEWANGAN) से ही जाना-पहचाना जावे।

चिरंजीवी देवांगन
(CHIRANJIVI DEWANGAN)
हाउस नंबर 83, वार्ड नंबर 10,
अखराभाठा, सक्ती (छ.ग.)

अनमोल वचन......

बड़ा सोचो, जल्दी सोचो, आगे सोचो विचारों पर किसी का अधिकार नहीं है।

चाहिए सतर्क दृष्टि

ट्रंप प्रशासन ने टैरिफ वॉर में भारत के प्रति कोई नरमी नहीं बरती है। क्या वार्ता के अगले चरण में वह ऐसा करेगा। या भारत अपनी 'लक्ष्मण रेखाओं' एवं विदेश नीति संबंधी संप्रभुता पर समझौता करने पर राजी हो जाएगा। अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत के अगले दौर के लिए भारतीय दल वॉशिंगटन पहुंच रहा है, तो उसके सामने वही सवाल और चुनौतियां हैं, जिनकी वजह से पिछले पांच दौर की वार्ताओं में बात आगे नहीं बढ़ी। सवाल है कि क्या भारत व्यापार के साथ-साथ भू-राजनीति संबंधी उन अमेरिकी मांगों पर राजी होगा, जिन्हें डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन टैरिफ वॉर के जरिए पूरा कराना चाहता है। ट्रंप ने यह जताने में कोई कोताही नहीं बरती है कि आयात शुल्क को वे ऐसा हथियार मानते हैं, जिसके उपयोग से वे अपने सारे मकसद साध सकते हैं। भारत खुद उनके इस नजरिए का शिकार बना है। रूस से कच्चा तेल खरीदने के दंड के तौर पर उन्होंने भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाया हुआ है।

इस तरह ट्रंप ने भारतीय विदेश नीति को अमेरिकी हितों के मुताबिक ढालने का दबाव बना रखा है। व्यापार संबंध में उनका प्रशासन भारत की 'लक्ष्मण रेखाओं' (कृषि एवं डेयरी क्षेत्र को अमेरिकी कंपनियों के लिए ना खोलने के निर्णय) को बिल्कुल तव्वजो देने के मूड में नहीं है। एक बड़ी समस्या ट्रंप का अस्थिर स्वभाव भी है। चीन के मामले में जाहिर हुआ कि जो सहमतियां बनीं, उनके खिलाफ जाते हुए ट्रंप प्रशासन ने कुछ ऐसे कदम उठाए, जिससे बात फिर जहां की तहां पहुंच गई। तब चीन ने रेयर अर्थ सामग्रियों के निर्यात को नियंत्रित करने का ऐलान किया, जिसके परिणामों को समझते हुए अब फिर ट्रंप प्रशासन ने रुख नरम किया है।

बहरहाल, रेयर अर्थ जैसे कुछ क्षेत्रों में अपने लगभग एकाधिकार के कारण चीन जवाबी कदम उठाने की स्थिति में है। भारत के साथ यह सुविधा नहीं है। भू-राजनीतिक मामलों में बेशक भारत के साथ अमेरिका की अपेक्षाकृत अधिक निकटता है, फिर भी ट्रंप प्रशासन ने व्यापार में भारत के प्रति कोई रियायत नहीं बरती है। तो मुद्दा है कि क्या अब वह ऐसा करेगा। या भारत अपनी 'लक्ष्मण रेखाओं' एवं विदेश नीति संबंधी संप्रभुता पर समझौता करेगा। सिर्फ इन दो स्थितियों में ही बात आगे बढ़ सकती है। वरना, संभावना है कि वार्ता के छठे दौर का अंजाम भी पहले जैसा ही रहेगा।

राशिफल

मेष- मेष राशि के जातकों के लिए आज का दिन करियर में परिवर्तन लाने वाला साबित हो सकता है। विद्यार्थियों को किसी बड़ी उपलब्धि का संकेत मिलेगा और उन्हें भविष्य के लिए नई दिशा मिलेगी। पारिवारिक वातावरण में आनंद रहेगा और आप अपनों के साथ समय बिताकर सुकून महसूस करेंगे।

वृषभ- वृषभ राशि वालों को आज सेहत के क्षेत्र में राहत मिलेगी। पुरानी थकान और कमजोरी दूर होगी। आपकी दिनचर्या व्यवस्थित रहेगी, जिससे आप पूरे दिन ऊर्जावान महसूस करेंगे। हालांकि घर में खर्चों को लेकर थोड़ी चिंता रह सकती है और किसी योजनाबद्ध कटौती की आवश्यकता पड़ सकती है।

मिथुन- मिथुन राशि के लोगों को आज पारिवारिक रिश्तों में मजबूती मिलेगी। माता-पिता के साथ भावनात्मक संबंध बेहतर होंगे और जीवनसाथी से भी सहयोग प्राप्त होगा। हालांकि थोड़ी चिड़चिड़ाहट या ग़लतफहमी की स्थिति बन सकती है, जिससे घर का वातावरण प्रभावित हो सकता है।

कर्क- कर्क राशि के जातकों के लिए आज का दिन नई प्रेरणा और उपलब्धियों से भरा रहेगा। आप उत्साहित महसूस करेंगे और किसी बड़े प्रोजेक्ट को लेकर सकारात्मक कदम उठाएंगे। मीडिया या कंसल्टेंसी से जुड़े जातकों के लिए दिन काफी फलदायक रहेगा।

सिंह- सिंह राशि वालों के लिए आज घर में उल्लास और सक्रियता का वातावरण रहेगा। नजदीकी रिश्तेदारों के आगमन से पारिवारिक मेल-मिलाप बढ़ेगा। बच्चों के साथ समय बिताना सुखद अनुभव देगा और रिश्तों में नई ऊर्जा भर देगा। मानसिक एकाग्रता बनी रहेगी, जिससे आप अटके हुए कार्यों को पूरा करने में सक्षम रहेंगे। पुराने मतभेदों को आज आप पीछे छोड़ सकते हैं।

कन्या- कन्या राशि के जातकों के लिए आज का दिन मिश्रित रहेगा। किसी पारिवारिक समस्या का समाधान संभव है, जिससे मन का तनाव कम होगा। कामकाज में गंभीरता और अनुशासन आवश्यक रहेगा।

तुला- तुला राशि वालों के लिए दिन की शुरुआत थोड़ी धीमी हो सकती है लेकिन दोपहर बाद परिस्थितियां आपके पक्ष में आ जाएंगी। कार्यक्षेत्र में आपकी योग्यता की सराहना होगी और आप किसी महत्वपूर्ण कार्य में अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं।

वृश्चिक- वृश्चिक राशि के जातकों के लिए आज का दिन लाभदायक सिद्ध होगा। आप अपनी ऊर्जा का सही दिशा में उपयोग कर पाएंगे। आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी और किसी धार्मिक स्थल पर जाने की संभावना भी बन सकती है। व्यवसाय में थोड़ी सुस्ती रहेगी लेकिन कर्मचारियों का सहयोग संतोषजनक रहेगा। आत्मिक संतुलन बना रहेगा।

धनु- धनु राशि के जातकों के लिए आज का दिन उन्नति देने वाला रहेगा। नौकरी या व्यापार में प्रमोशन या विस्तार का योग है। आप नई उपलब्धियों को प्राप्त करेंगे और अपनी पहचान मजबूत बनाएंगे। जीवनसाथी से मधुर संबंध बने रहेंगे। ध्यान रहे कि भावुकता में निर्णय न लें, विशेष रूप से वित्तीय मामलों में। सफलता के साथ थोड़ी विनम्रता भी आवश्यक होगी।

मकर- मकर राशि वालों के लिए आज का दिन आत्मविश्वास से भरपूर रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी और किसी रुके हुए प्रोजेक्ट को गति मिलेगी। वरिष्ठों की सलाह से बड़ा निर्णय ले सकते हैं। प्रेम जीवन में भी सकारात्मकता बनी रहेगी। किसी प्रिय के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा, जिससे मानसिक सुकून प्राप्त होगा।

कुंभ- कुंभ राशि वालों के लिए आज राहत और शुभ समाचार का दिन है। किसी लंबे समय से रुके हुए कार्य की शुरुआत हो सकती है। विदेश से संबंधित कोई अच्छी खबर मिलेगी या यात्रा की योजना बनेगी। कार्यक्षेत्र में आप अपने व्यवहार से सभी का दिल जीतेंगे। हालांकि निवेश करने से पहले वरिष्ठों की राय लेना जरूरी होगा।

मीन- मीन राशि के लिए आज का दिन संतुलित और सामंजस्यपूर्ण रहेगा। आप दिनचर्या को व्यवस्थित रूप से अपनाएंगे और कार्यों में पूरी निष्ठा दिखाएंगे। परिवार के साथ कोई मनोरंजक योजना बन सकती है, जिससे घर में खुशी का माहौल रहेगा। व्यवसायिक मामलों में किसी अनुभवी व्यक्ति का मार्गदर्शन लाभ देगा।

थोपे गए सन्नाटे का नाम शांति

//श्रुति व्यास//

शांति, शांति तब तक ही रहती है जब तक वह स्वीकार्य है। जैसे ही सत्ता भारी पड़ने लगती है—प्रभावशाली, स्वार्थी और आत्ममुग्ध—शांति दरकने लगती है, टूटने लगती है। बेशक, शुरुआत के लिए यह एक उदास वाक्य है, लेकिन मौजूदा समय की सच्चाई यही है। पश्चिम एशिया में जो शांति आई है, वह दो वर्षों की लगातार बमबारी के बाद आई है, ऐसे वर्ष जिन्होंने एक पीढ़ी को मिटा दिया और दूसरी को अपंग बना दिया। क्योंकि यह शांति भी पहली बार नहीं आई। कई बार पहले भी आई है, युद्धविराम के वस्त्रों में, कूटनीतिक भाषा में सजी-संवरी, और हर बार बिखर गई। इसलिए यह नई शांति आरंभ से ज़्यादा मरीचिका लगती है, एक क्षितिज जिसे हम लगातार नापते हैं, पर पहुँच नहीं पाते। और सच्चाई यह है कि यह शांति बनाई नहीं गई, मनवाई गई है—अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राजनीतिक दबाव और धमकियों से। यह मेल-मिलाप नहीं, प्रबंध-जुगाड़ है। एक शांति जो गले नहीं लगाई गई, थोप दी गई।

इस पल को समझने का एक ही तरीका है–यथार्थवाद के सिद्धांत से, वही सिद्धांत जो आज की जनलुभावन और वैचारिक रूप से खोखली दुनिया को अभी भी समझा सकता है। यथार्थवादी हमेशा कहते आए हैं–युद्ध के बाद की शांति नैतिक नहीं होती, रणनीतिक होती है।

शांति वहीं टिकती है जहाँ शक्ति संतुलित रहती है, जहाँ कोई पक्ष इतना ताक़तवर नहीं कि दूसरे को कुचल दे। युद्ध मेल-मिलाप से नहीं, थकावट से खत्म होते हैं। इस दृष्टि से, शांति एक ठहराव है, समाधान नहीं–नकारात्मक शांति, यानी बस खुले युद्ध का अभाव। शीतयुद्ध की शांति भी यही थी–अमेरिका और सोवियत संघ के बीच संतुलित भय का संतुलन। दुनिया शांत दिखती थी, पर सुरक्षित नहीं थी। उसी तर्क से देखें तो ट्रंप की यह शांति पूरी तरह फिट बैठती है, थकावट की उपज, समझ की नहीं; दबाव की देन, संवाद की नहीं। यह स्थिरता नहीं, सन्नाटा सुरक्षित करती है। और फिर आता है दृश्य का यथार्थवाद, जहाँ शांति अब विचार नहीं, प्रदर्शन है। इतिहास जब इस दौर को पढ़ेगा, तो पाएगा कि यह यथार्थवाद का नया संस्करण था–जो आदर्श या शक्ति पर नहीं, बल्कि ऑप्टिक्स पर टिका था। एक ऐसी कूटनीति जो reels और gram के लिए बनाई गई।

पश्चिम एशिया ने पहले भी कई बार ऐसी भोरें देखी हैं। हर दशक अपनी नई सुबह लेकर आता है, पहले उसका उत्सव होता है, फिर विश्वासघात। 1978 के कैंप डेविड समझौते को ऐतिहासिक सफलता कहा गया था–अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक ही मेज़ पर मिस्र और इज़राइल के नेताओं को बैठाया था। अनवर सादात और मेनाखेम बेगिन ने हाथ मिलाया, नोबेल शांति पुरस्कार जीता, और सादात ने कुछ ही साल बाद जान गंवाई। मिस्र को अमेरिकी सहायता और कूटनीतिक प्रतिष्ठा मिली, पर अरब जगत में अपना स्थान खो दिया। पंद्रह साल बाद आए ओस्लो समझौते–व्हाइट हाउस के लॉन पर, कैमरों की रोशनी में, यित्ज़ाक राबिन और यासिर अराफ़ात मुस्कुराते हुए, बीच में बिल क्लिंटन इतिहास के गवाह बनकर। तालियाँ बजीं, नोबेल पुरस्कार फिर मिला, लेकिन शांति टिक नहीं पाई। राबिन की हत्या हुई, ओस्लो दूसरी इंतिफ़ादा में बदल गया, और दुनिया ने एक बार फिर सीखा कि हस्ताक्षर गोलियों से नहीं बचते। पश्चिम एशिया में शांति अक्सर स्थायित्व से पहले पुरस्कार जीतती है।

हर युद्धविराम एक नाटक की तरह शुरू होता है–उदात्त, प्रसारित, पर अल्पकालिक। इसीलिए आज की नई शांति भी इतिहास बनेगी नहीं–बस इतिहास दोहराएगी, एक और झिलमिलाता क्षितिज, जिसे छूना असंभव है।

और इस बार भी सब कुछ उसी पैटर्न पर है–सिर्फ़ एक नए युग की रोशनी में, जहाँ दृश्य ही संदेश है। डोनाल्ड ट्रंप के लिए तो यह सब एक अभियान है–नोबेल पुरस्कार की ओर उनका आत्मघोषित मार्च। उन्होंने राजनीतिक और आर्थिक भाषा में स्पष्ट कर दिया था कि इज़राइल का युद्ध बहुत लंबा चल चुका है। हमास से उनका संदेश और कठोर था–संधि मानो, नहीं तो सामना करो catastrophic catastrophe का। यह कूटनीति नहीं, अल्टीमेटम थी। 13 अक्टूबर को राष्ट्रपति ट्रंप इज़राइल पहुँचे, ठीक उसी समय जब ग़ाज़ा से अंतिम बंधक छोड़े जा रहे थे। टाइमिंग इतनी सटीक थी कि स्वाभाविक नहीं लगती। कनेस्सेट में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उनका स्वागत किया, और ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ़ तथा दामाद जैरेड कुशनर के लिए तालियाँ गूँज उठीं। दर्शक भी तयशुदा भूमिका में थे, लाल टोपी पहने, जिन पर लिखा था। Trump the Peace President. स्पीकर ने घोषणा की, अगले साल के नोबेल के सबसे योग्य उम्मीदवार।

और संसद बहस में नहीं, भक्ति में बदल गई। सांसदों ने एक स्वर में नाम पुकारा–ट्रंप, ट्रंप, ट्रंप। अपने भाषण में राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि यह नया मध्य पूर्व है–एक ऐतिहासिक सवेरा। वही वाक्य, वही लहजा, जो उन्होंने पहली बार अब्राहम समझौतों के दौरान कहा था।

यह किसी युद्ध का अंत नहीं, बल्कि उसके कथाकार का राज्याभिषेक था–इतिहास को लाइव रियलिटी शो में बदलता हुआ क्षण।

इज़राइल में तालियों की बौछार के बाद ट्रंप मिस्र पहुँचे–शर्म अल-शेख में आयोजित पीस इन द मिडिल ईस्ट शिखर सम्मेलन में केंद्र मंच पर। वही पुराना रिसॉर्ट, जहाँ कूटनीति अक्सर नाटक जैसी लगती है। पीछे चमकता नारा—Peace in the Middle East–एक चुनावी पोस्टर की तरह। हाथ मिलाना, हस्ताक्षर करना, फोटो खिंचवाना–सब था, सिवाय ईमानदारी के। ट्रंप ने भाषण दिया–स्वयं की प्रशंसा से भरा, नीति से खाली। यह शांति का प्रदर्शन था, ऊपरी चमक में सुंदर, गहराई में शून्य। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ ने भी अपनी भूमिका निभाई–ट्रंप को शांति का व्यक्ति बताया, दूरदर्शी नेतृत्व का गुणगान किया, यहाँ तक कि पाकिस्तान द्वारा उन्हें नोबेल के लिए नामित करने का दावा किया। यह प्रशंसा नहीं, प्रहसन था, कूटनीति तालियों में सिमट गई थी। और जब कन्फ़ेटी हवा में उड़ी और शैंपेन की खनक गूँजी, तो पीछे बस तमाशा बचा–न कोई रोडमैप, न स्पष्टता, न वह व्यावहारिकता जो भाषण को ज़मीन पर उतारती है। ट्रंप को फर्क नहीं पड़ा। उन्होंने तुरंत अगला अंक लिखना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि अब वे नेतन्याहू सरकार को अपनी शांति बिगाड़ने नहीं देंगे। कनेस्सेट में उन्होंने नेतन्याहू की खुलकर तारीफ़ की, यहाँ तक कि इज़राइल के राष्ट्रपति आइजैक हर्ज़ोग से मज़ाक में कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री को भ्रष्टाचार मामलों से माफ़ कर देना चाहिए। कमरा हँसी से गूँज गया–पर इरादा स्पष्ट था। अपने विमान एयर फ़ोर्स वन में पत्रकारों के सवाल पर उन्होंने कहा, The war is over. Okay? You understand that? और शायद उसी क्षण, आकाश में उड़ते हुए ट्रंप ने मन ही मन मुस्कुराया होगा–अपनी छाती पर चमकते नोबेल पदक की कल्पना करते हुए, कैमरों और झंडों के बीच। और अंत में इतिहास फिर वहीं लौट आता है। शांति तभी टिकती है जब वह साझा होती है, थोपी या प्रदर्शित नहीं। कैंप डेविड से लेकर ओस्लो तक, आतंक के संतुलन से लेकर युद्धविराम के नृत्य तक–हर ऐतिहासिक भोर में एक ही दोष रहा है- शक्ति के लिए बनी शांति, जनता की नहीं होती। यथार्थवादी इसे स्थिरता कहते हैं। नेता इसे जीत कहते हैं। दुनिया इसे शांति समझ लेती है। पर शांति शांति तब तक ही रहती है–जब तक वह प्रभावशाली लोगों को रास आती है, जब तक वह तस्वीरों में अच्छी दिखती है। और इसलिए, तालियों और कूटनीतिक चमक-दमक के नीचे एक सवाल अब भी बचा है, क्या यह शांति बनी थी, या बस दिखी थी। क्या यह इतिहास का पुनर्लेखन था, या बस पुराना प्रदर्शन नई रोशनी में।

मोदी का हनुमान क्षण : बाधाओं से भरी दुनिया में भारत की लंबी छलांग

//हरदीप एस. पुरी//

जब पूरे भारत में दीप जलते हैं, तो रामायण का एक अमर दृश्य आज के समय से संवाद करता है। हनुमान जी अपने बल पर संदेह करते हुए सागर के किनारे खड़े हैं, जब तक कि जाम्बवंत उन्हें यह याद नहीं दिलाते कि वह ताकत तो पहले से ही उनके भीतर है। उसके बाद जो छलांग लगती है, वह कोई चमत्कार नहीं बल्कि आत्मविश्वास का परिणाम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यही आत्मविश्वास भारत की अर्थव्यवस्था में जगाने की तैयारी कर रहे हैं, ताकि भारत अपनी भीतरी शक्ति के सहारे वैश्विक चुनौतियों को पार कर सके। जैसे-जैसे दुनिया नई वीजा बाधाओं और शुल्कों के साथ सिमट रही है, तब मोदी के नेतृत्व में भारत अपने आत्मविश्वास को दुनिया के सामने ला रहा है। भारत विपरीत परिस्थितियों को आगे बढ़ने की ताकत में बदल रहा है।

हाल के महीनों में, अमेरिका ने नए एच-1बी वीज़ा आवेदनों पर 1,00,000 डॉलर की फ़ीस और ब्रांडेड व पेटेंट वाली दवाओं के आयात पर 100त्न शुल्क लगाया है। इन कदमों को रोज़गार सुरक्षा के नाम पर लिया गया बताया गया, लेकिन इसके पीछे एक गहरी चिंता छिपी है। यह है विकसित देशों में बढ़ता संरक्षणवाद और जनसंख्या से जुड़ी असुरक्षा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने इसका जवाब तीन ऐसे स्तंभों को मज़बूत बनाकर दिया है, जिन्हें कोई भी शुल्क प्रभावित नहीं कर सकता-पैमाना (स्केल), कौशल (स्किल) और आत्मनिर्भरता (सेल्फ रिलायंस)। दुनिया से भारत का अंतर बहुत साफ दिखाई देता है। चीन की आबादी तेज़ी से बूढ़ी हो रही है। वहां की औसत आयु अब 40 साल से ज़्यादा हो गई है, जबकि भारत में यह 29 साल से कम है। हमारे दो-तिहाई लोग 35 साल से कम उम्र के हैं। इस युवा ऊर्जा को जब कौशल, शिक्षा और उद्यमिता के ज़रिए सही दिशा दी जाती है तो वो भारत को विश्व अर्थव्यवस्था का विकास इंजन बनाती है। जब वैश्विक संस्थाएं बताती हैं कि पिछले साल दुनिया की कुल आर्थिक वृद्धि में भारत का योगदान 16त्न से ज़्यादा था, तो यह कोई नारा नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पिछले एक दशक के सुधार, निवेश और बुनियादी ढांचे के निर्माण का परिणाम है। हाल के आंकड़े इस रफ्तार को और पुख्ता करते हैं। भारतीय रिज़र्व बैंक ने वित्त वर्ष 2026 के लिए भारत की जीडीपी अनुमान को बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत किया है। इसके पीछे कारण बताए गए हैं- मज़बूत घरेलू मांग, स्थिर निवेश प्रवाह और अच्छे मानसून की उम्मीद। सितंबर में जीएसटी संग्रह 1.89 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह लगातार नौवां महीना है जब संग्रह 1.8 लाख करोड़ रु. से ज़्यादा रहा। यह दर्शाता है कि देश में खपत बढ़ रही है और टैक्स का दायरा भी फैल रहा है।विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जो लगभग 11 महीनों के आयात को कवर करने के लिए पर्याप्त है। वहीं जून तिमाही में विदेशी धन प्रेषण 33.2 अरब डॉलर रहा, जो पिछले साल की तुलना में काफी अधिक है। मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 57.7 और सर्विस सेक्टर पीएमआई 60.9 पर स्थिर रहा, जो यह फिर साबित करता है कि भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है। यह सकारात्मक रुझान बाज़ारों और सड़कों दोनों पर दिखाई दे रहा है। इस दशहरा सीज़न में खुदरा और ई-कॉमर्स बिक्री अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई। उद्योग संगठनों जैसे कैट और रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अनुसार बिक्री 3.7 लाख करोड़ रुपये को पार कर गई, जो पिछले साल से लगभग 15 प्रतिशत ज़्यादा है। सिर्फ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर ही त्योहारों के पहले पंद्रह दिनों में 90,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा का कारोबार हुआ। सबसे ज़्यादा मांग ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, सोना और कपड़ों में देखी गई। अब उम्मीद है कि दीवाली इस बार सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ देगी, जो न केवल उपभोक्ता विश्वास को दिखाता है, बल्कि सरकार के औपचारिक ऋण, डिजिटल भुगतान और ग्रामीण क्रय शक्ति बढ़ाने के लगातार प्रयासों की सफलता को भी दर्शाता है। भारत की आर्थिक नींव अब मज़बूत हो चुकी है। पिछले दस वर्षों में भारत की जीडीपी लगभग दोगुनी हो गई है और अब वह दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुकी है। जल्द ही जर्मनी को पीछे छोड़ने की उम्मीद है। विदेशी मुद्रा भंडार 600 अरब डॉलर से अधिक है। मुद्रास्फीति नियंत्रित है, और वित्तीय अनुशासन के साथ सरकार ने रिकॉर्ड सार्वजनिक पूंजीगत निवेश किया है। वित्त वर्ष 2024-25 में, भारत का वस्तुओं और सेवाओं का समग्र निर्यात लगभग 825 बिलियन अमरीकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जबकि अकेले व्यापारिक निर्यात लगभग 437 बिलियन अमरीकी डॉलर था। भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता अब 220 गीगावॉट से अधिक हो गई है।ये आंकड़े एक ही कहानी कहते हैं- एक ऐसे देश की, जो कभी नाज़ुक था, और अब एक मजबूत राष्ट्र बन गया है। ऐसे नेतृत्व में, जो दूरदृष्टि और क्रियान्वयन दोनों को साथ लेकर चलता है। यह दुखद सच्चाई है कि प्रधानमंत्री मोदी की आत्मनिर्भर भारत की सोच को कुछ लोग राजनीतिक लाभ के लिए गलत तरीके से पेश कर रहे हैं। वे अब भी इसे बीसवीं सदी की पुरानी सोच से देख रहे हैं।आत्मनिर्भरता का मतलब अलग-थलग रहना नहीं है। आत्मनिर्भर भारत का असली अर्थ है- अपनी शक्ति को दुनिया के सामने प्रस्तुत करना। यह वह ताकत है जो भारत को बराबरी के आधार पर वैश्विक स्तर पर भागीदारी करने की क्षमता देती है। इसका उद्देश्य है- भारत में बनाना, लेकिन दुनिया के लिए अवसरों को विकेन्द्रित करना, ताकि मूल्य उन तक पहुंचे जो उसे बनाते हैं और वैश्विक बाज़ारों में समान शर्तों पर प्रतिस्पर्धा करना। मोबाइल फ़ोन, रक्षा उपकरण, चिकित्सा यंत्रों से लेकर सौर मॉड्यूल तक- उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं ने भारत में निवेश, रोज़गार और निर्यात तीनों को तेज़ी से बढ़ावा दिया है। 50, 000 करोड़ की लागत से अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन, हमारे अनुसंधान और विकास तंत्र को नई ऊर्जा देने वाला कदम है। स्टार्टअप्स के लिए दूसरा फंड-ऑफ-फंड्स और पीएलआई योजनाओं का विस्तार भारत की तकनीकी नींव को और गहरा बनाएगा। यही है रणनीतिक स्वतंत्रता के रूप में आत्मनिर्भर भारत, जो आत्मविश्वास पर आधारित नीतियों के ज़रिए साकार और वैश्विक साझेदारियों के माध्यम से और भी मजबूत बनता है। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में भारत ने दुनिया का सबसे समावेशी डिजिटल सार्वजनिक ढांचा तैयार किया है। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस अब वीज़ा की तुलना में अधिक दैनिक लेनदेन को संभालता है, जो प्रतिदिन 650 मिलियन से अधिक है। आधार, डिजिलॉकर और ओएनडीसी मिलकर एक ऐसा इकोसिस्टम बनाते हैं जो बड़े पैमाने पर नागरिकों, छोटे व्यवसायों और नवप्रवर्तकों को जोड़ता है। सिंगापुर, यूएई और अन्य के साथ यूपीआई की वैश्विक साझेदारियां दर्शाती हैं कि भारतीय नवाचार वैश्विक मानक स्थापित कर सकता है। यह है- तकनीक के रूप में शासन , सशक्तिकरण और निर्यात। इस पूरी कहानी के केंद्र में लोग ही हैं। हमारा प्रवासी भारतीय समुदाय, जो 3.2 करोड़ से अधिक है, दुनिया के सबसे सफल और सम्मानित समुदायों में से एक है। आज फार्च्यून 500 की 11 कंपनियां ऐसे भारतीय मूल के सीईओ के नेतृत्व में हैं, जिनका संयुक्त मार्केट कैपिटलाइजेशन 6 ट्रिलियन डॉलर से भी ज़्यादा है। उनकी यात्रा नए भारत की आकांक्षाओं को दर्शाती है- कुशल, आत्मविश्वासी और समाधान केंद्रित। साल 2024 में 135 अरब डॉलर की रक़म के रूप में आए धन प्रेषण सिर्फ़ आर्थिक प्रवाह नहीं हैं। वे भारत पर विश्वास का प्रतीक हैं। जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कई बार कहा है- विदेश में रहने वाला भारतीय सिर्फ प्रवासी नहीं, बल्कि भारत के मूल्यों और उद्यमशीलता का दूत है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व ने इस फैली हुई वैश्विक ऊर्जा को घरेलू आधार प्रदान किया है। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और स्किल इंडिया केवल अलग-अलग पहल नहीं हैं। ये एक जुड़ी हुई मूल्य श्रृंखला हैं- अवसर पहचानना, उद्यमिता को सक्षम बनाना, और प्रतिभा को तैयार करना। अगला कदम है- एक व्यापक वैश्विक कौशल मिशन, जो इन पहलों को एक ही ढांचे में एकजुट करेगा। इसमें शामिल होंगे- मानकीकृत पाठ्यक्रम, जो अंतरराष्ट्रीय प्रमाणपत्रों से मेल खाते हों, कर्मचारियों के लिए प्रस्थान पूर्व प्रशिक्षण, भाषा और सांस्कृतिक प्रशिक्षण, और पोर्टेबल सामाजिक सुरक्षा समझौते। ये सभी उपाय भारतीय कामगार को दुनिया भर में पसंदीदा पेशेवर बनाएंगे।

तस्वीरों की दुनिया

स्व-सहायता समूह की महिलाएं दीपावली पर्व के अवसर पर कलात्मक दीये और पूजा सामग्री का निर्माण करके स्थानीय हाट बाजारों में बिक्री करके समृद्ध हो रहीं हैं।

राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा क्षेत्रीय खेल प्रतियोगिता के समापन कार्यक्रम में शामिल हुए। राजस्व मंत्री ने कहा कि खेल हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, जो न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक विकास में भी अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि जो खेलना जानता है, वही जीवन को भी सुंदर ढंग से जीना जानता है।

केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली में भारत और मंगोलिया के बीच द्विपक्षीय संबंधों और रणनीतिक सहयोग पर चर्चा करने के लिए मंगोलियाई राष्ट्रपति श्री खुरेलसुख उखना के साथ बैठक की।

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में मंगोलिया के राष्ट्रपति श्री खुरेलसुख उखना के सम्मान में भोज का आयोजन किया।

भारत के उपराष्ट्रपति और राज्य सभा के सभापति, श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने केंद्रीय श्रम और रोजगार और युवा मामले और खेल मंत्री, डॉ. मनसुख मंडाविया के साथ सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम और श्रम और रोजगार राज्य मंत्री, सुश्री शोभा करंदलाजे और युवा मामले और खेल राज्य मंत्री, से मुलाकात की।

भारत के उपराष्ट्रपति और राज्य सभा के सभापति, श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने आज नई दिल्ली में मंगोलिया के महामहिम राष्ट्रपति श्री खुरेलसुख उखना से मुलाकात की, नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

केन्या के पूर्व पीएम रैला ओडिंगा का भारत में निधन, पीएम मोदी ने जताया शोक

नईदिल्ली, 16 अक्टूबर [एजेंसी]।

केन्या के पूर्व प्रधानमंत्री रैला ओडिंगा का बुधवार को भारत यात्रा के दौरान दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 80 वर्ष के थे। केरल के देवमाथा अस्पताल ने उनके निधन की पुष्टि की, जहां उन्हें सुबह की सैर के दौरान बेहोश होने के बाद ले जाया गया था। अस्पताल की ओर से कहा गया है कि ओडिंगा को दिल का दौरा पड़ा और उन्हें होश में लाने के सारे प्रयास विफल रहे। वह किडनी सहित कई अन्य बीमारियों से पीड़ित थे। वह लगभग एक सप्ताह पहले आयुर्वेदिक केंद्र पहुंचे थे। सूत्रों के अनुसार, उन्हें शुक्रवार को केन्या लौटना था। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, प्रिय मित्र और केन्या के पूर्व प्रधानमंत्री रैला ओडिंगा के निधन से अत्यंत दुखी हूं।

वह एक महान राजनेता और भारत के सच्चे मित्र थे।उन्हें गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में ओडिंगा से मिलने का अवसर मिला था। ओडिंगा को हमारी संस्कृति और प्राचीन ज्ञान के प्रति गहरा लगाव था। यह भावना भारत-केन्या संबंधों को मजबूत करने के उनके प्रयासों में झलकती थी।उन्होंने कहा कि ओडिंगा भारतीय पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली आयुर्वेद के प्रशंसक थे। उन्होंने अपनी बेटी के स्वास्थ्य में इसके सकारात्मक प्रभाव को प्रत्यक्ष रूप से देखा था।

चीन ने ट्रंप को दिखा दिया ठेंगा, रेयर अर्थ के निर्यात पर बढ़ाया नियंत्रण, भड़क गए अमेरिकी अधिकारी

वाशिंगटन, 16 अक्टूबर [एजेंसी]।

रेयर अर्थ के निर्यात पर चीन के कदम से अमेरिकी अधिकारी भड़क गए हैं। उन्होंने इन खनिजों के निर्यात पर नियंत्रण बढ़ाने को लेकर बीजिंग की कड़ी आलोचना की और कहा कि इससे ग्लोबल सप्लाई चेन के लिए खतरा बढ़ सकता है। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि चीन अभी भी अपने रुख को बदल सकता है। ऐसा करने से वह अमेरिका के सख्त कदमों से बच सकता है। रेयर अर्थ मिनरल्स के बिना इलेक्ट्रिक व्हिकलसे लेकर एयरक्राफ्ट तक का प्रोडक्शन बुरी तरह से प्रभावित हो सकता है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर ने बुधवार को पत्रकारों से कहा कि चीन के नए निर्यात प्रतिबंध ग्लोबल सप्लाई चेन पर अधिकार जमाने के समान हैं और अमेरिका और उसके सहयोगी इन प्रतिबंधों को स्वीकार नहीं करेंगे। हालांकि उन्होंने और वित्त मंत्री स्काट बेसेंट ने यह भी स्पष्ट किया कि वाशिंगटन टकराव को बढ़ाना नहीं चाहता। ग्रीर ने बताया कि चीन ने अभी तक रेयर अर्थ पर संशोधित नियमों को लागू नहीं किया है और वह अभी भी पीछे हट सकता है। ठीक उसी तरह जैसे अमेरिका ने चीनी आयात पर 100 टैरिफ लागू नहीं किया है।

बीजेपी की तीसरी लिस्ट जारी, एनडीए सीट शेयरिंग में मिली 101 सीटों पर प्रत्याशी तय

पटना। भाजपा ने बुधवार की देर रात अपनी तीसरी सूची घोषित कर दी है। पार्टी की ओर से घोषित सूची में मुख्यमंत्री के विश्वास प्रस्ताव के दौरान बगावत करने वाले दो विधायकों की टिकट पार्टी ने काट दी है। इसमें रामनगर सुरक्षित सीट से भागीरथी देवी एवं नरकटियागंज से रश्मि वर्मा का नाम सम्मिलित है।इसके साथ ही तीसरी सूची में पार्टी ने सभी 18 प्रत्याशियों समेत एनडीए में सीट शेयरिंग के उपरांत मिली 101 सीटों पर प्रत्याशी उतरने की औपचारिकतापूर्ण कर ली है। राबड़ी देवी को राघोपुर में हराने वाले सतीश यादव को भाजपा ने अब तेजस्वी यादव के सामने प्रत्याशी बनाया है। तीसरी सूची में पार्टी ने दो महिलाओं को टिकट दिया है। इसमें विश्वास मत के दौरान सरकार को समर्थन देने वाली मोहनिया की विधायक संगीता कुमारी का नाम सम्मिलित है।तीसरी सूची में रामनगर से नंदकिशोर राम, नरकटियागंज से संजय पांडेय, बगहा से राम सिंह,लोरिया से विनय बिहारी, नौतन से नारायण प्रसाद, चनपटिया से उमाकांत सिंह, हरसिद्धि से कृष्णा नंदन पासवान, कल्याणपुर से सचिंद्र प्रसाद सिंह, चिरैया से लालबाबू प्रसाद गुप्ता, कोचाधामन से वीना देवी, बायसी से विनोद यादव, राघोपुर से सतीश कुमार यादव, बिहपुर से कुमार शैलेंद्र, पीरपैंती से मुरारी पासवान, रामगढ़ से अशोक कुमार सिंह, मोहनिया से संगीता कुमारी, भभुआ से भारत बिंद एवं गोह से रणवीर सिंह को प्रत्याशी बनाया है।

जहरीली गैस और फैक्ट्री का गेट बंद होने से हुई ज्यादातर मौतें

लोगों की पहचान की जांच शुरू

ढाका, 16 अक्टूबर [एजेंसी]।

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में मंगलवार को एक कपड़ा फैक्टरी और केमिकल गोदाम में आग लगने से 16 लोगों की मौत हुई।

घटनास्थल से बुधवार को भी धुएं का गुबार उठता दिखा। इसके चलते बचावकर्मी फैक्टरी के अंदर दाखिल नहीं हो पाए।एक अधिकारी ने बताया कि जहरीली गैस और दरवाजा बंद होने के कारण ज्यादातर लोगों की जान गई। कई लोग घायल भी हुए हैं। दमकल सेवा के अधिकारी ताल्हा बिन जशिम ने कहा, ज्यादातर लोग जलने से नहीं बल्कि जहरीली गैस के कारण मरे। गोदाम में भंडार किए गए रसायनों से अब भी धुएं का गुबार उठ रहा है। विषाक्त धुएं के कारण आग को पूरी तरह बुझाने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। सरकार ने हादसे के कारणों का पता लगाने और सुरक्षा चूक के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के लिए जांच शुरू की है। जबकि अपनों की तलाश में कई लोगों को इधर-उधर भटकते देखा गया। कई शव बुरी तरह जल गए हैं, जिससे पहचान में दिक्कतें आ रही हैं।बताया जा रहा है कि केमिकल गोदाम में मंगलवार सुबह करीब 11.40 बजे आग भड़की, जिसने कपड़ा फैक्टरी को भी अपनी चपेट में ले लिया था।

सीसीटीवी कैमरों की रिकार्डिंग सार्वजनिक करने की मांग वाली याचिका को दिल्ली हाईकोर्ट ने किया खारिज, कहा- हर चीज पब्लिक नहीं हो सकती

नईदिल्ली, 16 अक्टूबर [एजेंसी]।

राष्ट्रीय राजधानी में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकार्डिंग सार्वजनिक करने के निर्देश देने की मांग वाली सेव इंडिया फाउंडेशन की जनहित याचिका दिल्ली हाई कोर्ट ने खारिज कर दी। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय व न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा कि हर चीज सार्वजनिक डोमेन में नहीं हो सकती। सहभागी लोकतंत्र का मतलब यह नहीं है कि कल याची सीमाओं पर युद्ध में भाग लेंगे। ऐसी प्रार्थनाओं को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। पीठ ने कहा कि अगर यह प्रार्थना स्वीकार कर ली जाती है, तो यह याचिकाकर्ता को पुलिसिंग के अधिकार प्रदान करने के समान होगा।पीठ ने उक्त टिप्पणी करते हुए गैर सरकारी संगठन सेव इंडिया फाउंडेशन द्वारा दायर जनहित याचिका खारिज कर दी। याचिका में राजधानी में लगे सीसीटीवी कैमरों की फीड अपलोड और साझा करने के लिए अधिकारियों को निर्देश देने की मांग की गई थी।

हथियारों की चाह में सलाखों के पीछे, जमशेदपुर के दो अपराधी मुंगेर से गिरफ्तार

जमशेदपुर। जमशेदपुर के दो वांछित अपराधियों को बिहार के मुंगेर जिले की कासिमबाजार थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान ओलिडीह थाना क्षेत्र निवासी आकाश नामता और मानगो निवासी राजा सिंह के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी अवैध हथियारों की खरीदारी के इरादे से मुंगेर पहुंचे थे। सूत्रों के मुताबिक, आकाश नामता मूल रूप से मुंगेर जिले के मोहनपुर का निवासी है, लेकिन वर्तमान में वह जमशेदपुर के ओलिडीह क्षेत्र में सक्रिय है।आकाश पर जमशेदपुर में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें गुड्डू पांडेय के घर पर फायरिंग का मामला प्रमुख है। इस घटना के बाद से ही वह फरार चल रहा था और पुलिस उसकी सरगर्मी से तलाश कर रही थी। इसी तरह, राजा सिंह का भी आपराधिक इतिहास रहा है। वह मानगो क्षेत्र में कई आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, दोनों आरोपी मुंगेर में अपने दो स्थानीय साथियों के साथ अवैध हथियार खरीदने पहुंचे थे।

जयपुर में इंडिगो फ्लाइट की लैंडिंग में हुई परेशानी, पैसेंजर्स की सांसें अटकीं, आठ मिनट तक हवा में चक्कर काटता रहा विमान

जयपुर। जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार को बेंगलुरु से आ रही इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट 6ई-415 को लैंडिंग में कठिनाई का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, यह विमान सुबह 8.35 बजे बेंगलुरु से उड़ान भरकर 11 बजे जयपुर पहुंचने वाला था, लेकिन दो मिनट की देरी से पहुंचा। पायलट ने रनवे पर लैंडिंग का प्रयास किया, लेकिन विमान सफलतापूर्वक नहीं उतर सका।इसके बाद पायलट ने विमान को फिर से आसमान में ले जाकर लगभग आठ मिनट तक चक्कर लगाया। अंततः 11.10 बजे विमान को सुरक्षित रूप उतारा गया। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने भी चार विमान इसी प्रकार की स्थिति का सामना कर चुके थे।

दिल्ली में नकली टूथपेस्ट व ईनो बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़, मालिक समेत तीन गिरफ्तार

नईदिल्ली, 16 अक्टूबर [एजेंसी]।

उत्तरी जिले की वजीराबाद थाना पुलिस की टीम ने नामी कंपनी के नकली टूथपेस्ट और ईनो बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। वजीराबाद इलाके के जगतपुर गांव में अवैध रूप से फैक्ट्री संचालित हो रही थी। पुलिस टीम ने फैक्ट्री से 80 और 150 ग्राम के करीब 40 हजार नकली टूथपेस्ट (खाली और भरे हुए) बरामद किए हैं। इसके अलावा 11 हजार से अधिक एसिडिटी पाउच ईनो के अलावा भारी मात्रा में मशीनें और पैकिंग का सामान बरामद हुआ है। पुलिस ने मौके से फैक्ट्री मालिक नबील के अलावा तीन श्रमिकों को गिरफ्तार किया है। उत्तरी जिले के पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया के मुताबिक मंगलवार शाम जिले के डीआईयू यूनिट को सूचना मिली थी कि वजीराबाद के जगतपुर गांव में नकली टूथपेस्ट और ईनो बनाया जा रहा है। इस पर तुरंत टीम का गठन कर गली नंबर-10सी, जगतपुर एक्सटेंशन में छापेमारी की गई। यहां से करीब 10 हजार 80 ग्राम की खाली ट्यूब, 150 ग्राम की 5,250 खाली ट्यूब, 150 ग्राम की भरी हुई 12,824 ट्यूब, 80 ग्राम की भरी हुई 12,516 ट्यूब, 220 कार्टन, 3 बड़ी मशीन, एसिडिटी के 11200 पाउच और भारी मात्रा में कच्चा माल बरामद हुआ।यहां काम करने वाले श्रमिक मशीनों की मदद से इन टूथपेस्ट और इनो को पाउच में भर रहे थे। पुलिस ने मौके से ही बल्लीमारान, चांदनी चौक निवासी नबील को दबोच लिया। छानबीन में पता चला है कि आरोपित पिछले काफी समय से इस गोरखधंधे में शामिल हैं। नबील के साथ कुछ और भी लोग जुड़े हैं। यह नकली माल एनसीआर में ही सप्लाई होता था।

बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन को आए मेरठ के श्रद्धालु की मौत, अस्थमा का मरीज था बुजुर्ग

मथुरा। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में बुधवार शाम को भीड़ के दबाव में दर्शन करने के दौरान मेरठ के एक बुजुर्ग श्रद्धालु की तबीयत बिगड़ गई। वह गेट संख्या चार पर निकले, तभी उनकी तबीयत बिगड़ी और वह वहीं पर गिर गए। उन्हें अस्पताल में ले जाया गया, जहां मृत्यु घोषित कर दिया गया। मृतक बुजुर्ग अस्थमा के मरीज थे, उनका भीड़ में ब्लड प्रेशर बढ़ गया।बुधवार देर शाम सात बजे मेरठ के थाना मवाना के गांव निलोहा निवासी 55 वर्षीय कृपाल सिंह भतीजे टीटू और गांव के दस लोगों के साथ ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर के दर्शन करने के लिए आए थे। उन्होंने मंदिर में भीड़ के बीच दर्शन करने के बाद जैसे ही वह मंदिर से बाहर निकले गेट चार पर आते-आते वह बेहोश होकर गिर पड़े।उनके साथ चल रहे भतीजे और गांव के लोगों ने बमुश्किल उन्हें संभाला और भीड़ से बाहर निकाला। मंदिर में मौजूद स्वास्थ्य टीम ने उनका प्राथमिक जांच में पाया कि उनका ब्लड प्रेशर सामान्य से अधिक था।इस पर उन्हें स्वास्थ्य टीम ने जिला संयुक्त चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया। यहां डाक्टर ने श्रद्धालु को मृत घोषित कर दिया।

जम्मू-कश्मीर में तीन कफ सीरप पर लगा प्रतिबंध, पाई गई जहरीले तत्व की मात्रा

जम्मू, 16 अक्टूबर [एजेंसी]।

जम्मू-कश्मीर ड्रग एंड फूड कंट्रोल आर्गनाइजेशन ने प्रदेश में जहरीले तत्व डायथिलीन ग्लाइकोल की अधिक मात्रा पाए जाने के बाद तीन कप सीरप पर प्रतिबंद लगा दिया है। प्रतिबंधित किए गए ये कफ सीरप, कोल्डरिफ सीरप, रेस्पीफ्रेश-टीआर व रेलिफ सीरप शामिल हैं। लैब में जांच के दौरान पाया गया कि ये कफ सीरप गुणवक्ता के मानकों पर खरा नहीं उतरते हैं। यह कदम स्वास्थ्य मंत्रालय के केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण कार्यक्रम के तहत उठाया गया। लैब की रिपोर्ट में पाया गया कि इन सिरिप में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक डायथिलीन ग्लाइकोल की अधिक मात्रा है। इससे शरीर में गंभीर विषाक्तता पैदा हो सकती है। यह तत्व मध्यप्रदेश व राजस्थान में बच्चों की मौतों से जुड़ा हुआ है। प्रतिबंधित किया गया रेलिफ सीरप को शेप फर्मा लिमिटेड गुजराज ने बनाया है। वहीं, कोल्डरिफ सीरप श्रीसन फर्मास्यूटिकल तमिलनाडू व रेस्पीफ्रेश-टीआर को रेडनैस फर्मा अहमदबाद ने बनाया है। प्रदेश औषधि नियंत्रक कार्यालय द्वारा जारी नोटिस में कहा गया कि ये सीरप गुणवत्ता मानक के अनुरूप ने होने के कारण असुरक्षित हैं।इसी बीच ड्रग एंड फूड कंट्रोल आर्गनाइजेशन ने स्किम्स सौरा व जम्मू-कश्मीर के सभी मेडिकल कालेज अस्पतालों के प्रचार्यों को निर्देश दिया है कि वे यह जानकारी सभी विभागाध्यक्षों तक तत्काल पहुंचाने के साथ मामले में आवश्यक कार्रवाई सुनिचित करें। इसी बीच नोटिस में कहा गया है कि मामला गंभीर है। इन

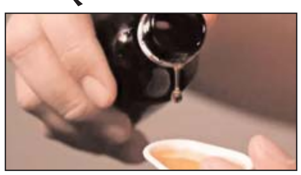

इन सीरपों को मध्यप्रदेश व राजस्थान में बच्चों की मौतों से जोड़ा गया है। ऐसे में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में इनके उपयोग, बिक्री और वितरण पर प्रतिबंध लगाया गया है।इसी बीच दवाई बिक्रेताओं को प्रदेश में उपलब्ध इन सीरपों के स्टाक के बारे में फौरन प्रदेश औषधि नियंत्रक कार्यालय को सूचित करने के निर्देश दिए गए हैं। देश के कई राज्यों में इन खांसी की दवाओं पर पहले ही प्रतिबंध लगाया जा चुका है। वहीं, कुछ राज्यों ने दो वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सभी खांसी व जुकाम की दवाओं के उपयोग पर भी रोक लगा दी है। चार अक्टूबर 2025 को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सलाह जारी कर कहा था कि दो वर्ष से कम आयु के बच्चों को खांसी-जुकाम की दवाएं न तो दी जाएं और न ही लिखी जाएं।मंत्रालय ने कहा, ऐसी दवाएं आमतौर पर पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए नहीं हैं। बड़े बच्चों में भी ये दवाइयां केवल चिकित्सकीय जांच और निगरानी के बाद ही दी जानी चाहिए। पिछले एक महीने के दौरान मध्यप्रदेश व राजस्थान में बच्चों की मौतें इन्हीं दूषित सीरपों के सेवन से जुड़ी पाई गई हैं।

भारत में नहीं बिकेगा जीएम फूड, राजस्थान हाईकोर्ट ने लगाई निर्माण और आयात पर रोक

जयपुर 16 अक्टूबर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने देशभर में जेनेटिकली माडिफाइड (जीएम) फूड के निर्माण, बिक्री, वितरण और आयात पर पूर्ण रोक लगाने का आदेश दिया है।न्यायालय ने भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआइ) को निर्देशित किया है कि वह खाद्ध सुरक्षा अधिनियम, 2006 की धारा 22 के तहत जीएम फूड से संबंधित दिशा-निर्देश छह माह में जारी करे। इसके साथ ही, पर्यावरण मंत्रालय की जेनेटिक इंजीनियरिंग अप्रेजल कमेटी को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि दिशा-निर्देश जारी होने तक किसी भी कंपनी को आयात की अनुमति न दी जाए।न्यायालय ने स्पष्ट किया कि जीएम फ्री टैग के बिना किसी भी खाद्य पदार्थ का आयात नहीं किया जाएगा। न्यायालय ने संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत सुरक्षित भोजन के अधिकार को जीवन के अधिकार का अभिन्न अंग बताया।

मेडागास्कर में तख्तापलट करने वाले सैन्य अधिकारी संभालेंगे राष्ट्रपति पद, जल्द लेंगे शपथ

एंटानानारिवो, 16 अक्टूबर [एजेंसी]।

मेडागास्कर में सैन्य तख्तापलट करने वाले सेना के अधिकारी ने बुधवार को कहा कि वह जल्द ही राष्ट्रपति पद संभालने जा रहे हैं। इस पश्चिम अफ्रीकी देश में जेन जी के सरकार विरोधी प्रदर्शनों के चलते राष्ट्रपति एंड्री राजोलीना को रविवार को देश छोड़कर भागना पड़ा।सेना की कई यूनिटों ने भी प्रदर्शनकारियों का साथ दिया। सेना ने सत्ता अपने हाथ में ले ली है। सेना ने कहा है कि वह देश में नई सरकार बनने तक कम से कम दो साल तक सत्ता संभालेगी। सैन्य तख्तापलट का नेतृत्व करने वाले कर्नल माइकल रैंड्रियनिरिना ने एपी को दिए गए इंटरव्यू में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अगले कुछ दिनों में वह मेडागास्कर के नए नेता के रूप में शपथ ले लेंगे।

देश के उच्च संवैधानिक कोर्ट ने उन्हें इसके लिए आमंत्रित किया है। राष्ट्रपति एंड्री राजोलीना मेडागास्कर से भाग गए हैं। मेडागास्कर में गत 25 सितंबर को पानी और बिजली की समस्याओं के खिलाफ प्रदर्शन शुरू हुए थे, लेकिन बाद में ये भ्रष्टाचार, खराब शासन और बुनियादी सेवाओं के अभाव के खिलाफ व्यापक आक्रोश में बदल गए।शनिवार को विरोध प्रदर्शन उस समय निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया, जब सेना की कई यूनिटों ने भी राजोलीना के खिलाफ विद्रोह कर दिया। इसके चलते उन्हें भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस अफ्रीकी देश की संसद के विपक्ष के नेता सिटेनी ने सोमवार को बताया था कि राजोलीना रविवार को देश छोड़कर चले गए। इधर, रायटर के अनुसार, रूस ने बुधवार को कहा कि वह मेडागास्कर के हालात पर नजर रख रहा है। उसने यह उम्मीद जताई है कि सेना के सत्ता संभालने से खून-खराबे से बचा जाएगा।

नकली दवाओं पर नकेल: केंद्र सरकार ला रही सख्त कानून, सीडीएससीओ को मिलेंगी विशेष शक्तियां

भोपाल-जयपुर 16 अक्टूबर [एजेंसी]।

मध्य प्रदेश और राजस्थान में दूषित कफ सीरफ पीने से कई बच्चों की मौत के बाद केंद्र सरकार नकली दवा बनाने और बेचने वालों के खिलाफ सख्त कानून लाने जा रही है। मापदंड और नियम-कायदों को ताख पर रखते हुए जिस तरह दवाइयां बनाई जा रही हैं, उस पर लगाम लगाने की तैयारी शुरू हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय कड़ा कानून बनाने की तैयारी में जुट गया है। मंगलवार को स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा की अध्यक्षता में हुई बैठक में 'औषधि, चिकित्सा उपकरणऔर सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम, 2025' के मसौदे पर चर्चा हुई। माना जा रहा है कि जल्द ही इस मसौदे को मंजूरी के लिए मंत्रिमंडल के सामने पेश किया जाएगा और वहां से हरी झंडी मिलने पर आगामी शीतकालीन सत्र के दौरान संसद में पेश किया जाएगा।उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार, बैठक में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन और ड्रग कंट्रोलर आफ इंडिया की ओर से नए प्रस्तावित कानून का विस्तृत मसौदा पेश किया गया। नया कानून 1949 के औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम की जगह लेगा। नए प्रस्तावित कानून में दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सीडीएससीओ को अधिक शक्तियों का प्रविधान किया गया है।दवाओं, मेडिकल उपकरणों और सौंदर्य प्रसाधनों के निर्माण के लिए लाइसेंस देने व निरस्त करने की प्रक्रिया में भी सीडीएससीओ को अधिक अधिकार दिया जाएगा। अभी यह अधिकार राज्यों के खाद्य व औषधि विभाग के पास है। नया कानून अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य निर्माण से लेकर बाजार वितरण तक, हर स्तर पर जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करना है।स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नए कानून की जरूरत बताते हुए कहा कि श्रीसन फार्मा के जहरीले कफ सीरप कोल्ड्रिफ के मामले से दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने में बड़ी खामी उजागर हुई है। सीडीएससीओ को श्रीसन फार्मा और उसके उत्पाद कोल्ड्रिफ के बारे में कोई जानकारी ही नहीं थी।सीडीएससीओ के पोर्टल सुगम पर सभी दवा निर्माता कंपनियों और उसके उत्पादों की जानकारी देने के नियम के बावजूद इसकी जानकारी नहीं दी गई। यही नहीं, मध्य प्रदेश के अनुरोध पर कोल्ड्रिफ की जांच करने और उसमें जहरीला रसायन पाए जाने के बाद भी तमिलनाडु ने इसकी जानकारी सीडीएससीओ को नहीं दी थी।हद तो तब हो गई, जब श्रीसन फार्मा का लाइसेंस निरस्त करने के सीडीएससीओ के निर्देश का पालन भी 12 दिनों के बाद किया गया। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि नया कानून इन सभी खामियों को दूर करने का काम करेगा।

बच्चे का अपहरण कर महिला पर डालना चाहता था शादी का दबाव, दिल्ली पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

दक्षिणी दिल्ली। अमर कॉलोनी पुलिस ने आठ घंटे के भीतर अपहृत चार वर्षीय बच्चे को लखनऊ से सकुशल बरामद कर लिया। साथ ही अयोध्या निवासी आरोपित सुधाकर सिंह को गिरफ्तार भी कर लिया है। आरोपित फूल बेचने का काम करता है। पुलिस ने उसे लखनऊ रेलवे स्टेशन पर सुहेलदेव एक्सप्रेस ट्रेन से गिरफ्तार किया, जब वह बच्चे को लेकर अपने गांव भागने की कोशिश कर रहा था। पूछताछ में पता चला कि आरोपित बच्चे का अपहरण कर महिला को डराकर शादी का दबाव डालना चाहता था। पुलिस के अनुसार, 12 अक्टूबर को अमर कॉलोनी थाने में चार वर्षीय बच्चे के अपहरण की सूचना मिली। जांच में पता चला कि शिकायतकर्ता की पत्नी आरोपित से इंस्टाग्राम के जरिए लगभग एक साल से संपर्क में थी। उसने कई बार धमकी दी थी कि अगर वह उससे संबंध नहीं रखेगी तो वह उनके बेटे का अपहरण कर लेगा।

नाश्ते के लिए बेस्ट है दलिया, पूरे शरीर को देगा एनर्जी का फुल डोज

हेल्दी लाइफस्टाइल को अपनाने के लिए सबसे पहला कदम है अच्छा खाना। समय कम है लेकिन खाना हेल्दी और टेस्टी होना चाहिए और कम समय में बनकर तैयार होना चाहिए। इसके लिए सबसे अच्छा ऑप्शन है दलिया, जिसे अलग-अलग तरीकों से बनाया जा सकता है और उसकी पौष्टिकता बढ़ाई जा सकती है। ये एक ऐसा सुपरफूड है जिसे हर उम्र के लोग खा सकते हैं, लेकिन किस समय दलिया खाना चाहिए, ये जानना भी बहुत जरूरी है। दलिया पचने में आसान होता है और यह शरीर को फायदा पहुंचाता है। दलिये में 卐खराब卐 कोलेस्ट्रॉल को कम करने की क्षमता होती है, जिससे कोलेस्ट्रॉल का खतरा कम होता है और दिल पर दबाव कम पड़ता है। इसके साथ ही दलिया में मैग्नीशियम और पोटेशियम भी होते हैं, जो काफी हद तक हाई बीपी को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। दलिया का सेवन करने से वजन भी नहीं बढ़ता है, क्योंकि इसे बहुत ही हल्का खाना माना गया है। दलिया में फाइबर और कैलोरी दोनों होती हैं, जो जल्दी भूख नहीं लगने देती और वजन भी बढ़ने नहीं देती।

दलिया पाचन तंत्र को ठीक तरीके से चलाने में मदद करता है। दलिया में दो तरह के फाइबर मौजूद होते हैं, पहला घुलनशील फाइबर और दूसरा अघुलनशील फाइबर। इससे कब्ज की समस्या भी दूर होती है। अगर आप खून की कमी से जूझ रहे हैं तो दलिया बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है। दलिया में भरपूर मात्रा में आयरन होता है, जो शरीर में एनीमिया की कमी को दूर करता है और रक्त कोशिकाओं के निर्माण में भी अहम भूमिका निभाता है। दलिया खाने में लाभकारी है, लेकिन इसका बनाने का तरीका भी खाने के फायदे को दोगुना बना सकता है। दलिया को दूध के साथ बनाएं, लेकिन इसमें चीनी का इस्तेमाल न करें, बल्कि गुड़ या शहद डालें। साथ ही, उसमें सूखे मेवे भी डाल सकते हैं। इसके अलावा, मूंग दाल वाला दलिया भी बना सकते हैं। मूंग दाल का दलिया सबसे ज्यादा पौष्टिक होता है क्योंकि इसमें प्रोटीन और फाइबर एक साथ ही मिल जाते हैं। दोनों को नाश्ते से लेकर डिनर तक में ले सकते हैं।

सब्जियों से बना दलिया भी सेहत के लिए अच्छा रहता है। पालक, गाजर, और मटर के साथ भी दलिया बनाया जा सकता है। इससे दलिया में सारी हरी सब्जियों के गुण आ जाएंगे। इसे आप रात और दिन कभी भी खा सकते हैं। दलिया खाते समय कुछ सावधानियां भी बरतनी चाहिए। दलिया का ज्यादा सेवन भी पेट को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में दस्त, उल्टी और कब्ज की समस्या हो सकती है।

बच्चों की डाइट में शामिल ये चीजें, बढ़ा सकती हैं बीमारियों का खतरा

कैंडी और चॉकलेट बच्चों को बेहद पसंद होती हैं। हालांकि, इनमें शुगर की अत्यधिक मात्रा होती है, जो बच्चों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकती है। अधिक मात्रा में शुगर के सेवन से बच्चों में मोटापा, डायबिटीज और दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

पास्ता, पिज़्ज़ा और नूडल्स बच्चों के फेवरेट फूड्स में से एक हैं। लेकिन इनमें सोडियम और ट्रांस फैट अधिक मात्रा में पाया जाता है, जो बच्चों की किडनी पर बुरा असर डाल सकता है। इससे हाई ब्लड प्रेशर और हाइपरटेंशन जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है।

फ्रेंच फ्राइज और आलू चिप्स स्वाद में भले ही अच्छे लगते हों, लेकिन इनका अधिक सेवन बच्चों की इम्युनिटी को कमजोर कर सकता है। इनमें ट्रांस फैट और ज्यादा मात्रा में नमक होता है, जो बच्चों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। यह कई गंभीर बीमारियों को जन्म दे सकता है।बच्चों को पैक्ड फूड्स से बचाना चाहिए। इनमें जरूरी पोषक तत्व नहीं पाए जाते, और इनमें प्रिजर्वेटिव्स तथा कृत्रिम रंगों का उपयोग होता है। इनका सेवन करने से शरीर में विटामिन और मिनरल्स की कमी हो सकती है।

बच्चों के आहार में ताजे फल, सब्जियां, दालें और दूध को प्रमुखता दें। फल जैसे सेब, केला, संतरा और अनार न केवल शरीर को विटामिन्स और मिनरल्स देते हैं, बल्कि बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाते हैं। हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, मेथी और ब्रोकली बच्चों के लिए बेहद फायदेमंद होती हैं।

मौनी रॉय का अनस्टॉपेबल 2025 जारी: एक्ट्रेस ने अपनी नई ओटीटी रिलीज़ की शूटिंग शुरू की

2025 के शानदार सफ़र के बाद, मौनी रॉय ने कोई समय ज़ाया नहीं किया है। हाल ही में मिलान फैशन वीक में अपने लुक्स से दुनिया को दीवाना बनाने के बाद, एक्ट्रेस ने अब अपने अगले प्रोजेक्ट — एक OTT वेंचर — की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसकी शूटिंग मुंबई और पंजाब में होगी। मौनी ने सोशल मीडिया पर अपने स्क्रिप्ट की एक धुंधली तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, और अगले प्रोजेक्ट की ओर... प्यार और आशीर्वाद, प्लीज़ एक्स, और यह देख कर प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। पिछले साल मौनी ने कई प्लेटफॉर्म्स और फॉर्मैट्स में अपनी शानदार परफॉर्मेंस से साबित किया कि वे किसी भी रोल में जान डाल सकती हैं। अब वे बिना किसी ब्रेक के एक प्रोजेक्ट से दूसरे प्रोजेक्ट पर तेज़ी से कदम रख रही हैं। उनकी एनर्जी और समर्पण ने उन्हें इंडस्ट्री की सबसे ज़्यादा पसंद की जाने वाली प्रतिभाओं में से एक बना दिया है। 2025 मौनी रॉय के लिए बेहद शानदार साल रहा है। उन्होंने 'द भूतोनी' और 'सलाकार' जैसी फिल्मों में दमदार अभिनय कर दर्शकों का मन मोह लिया और एक बार फिर एक अभिनेत्री के रूप में अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया। स्क्रीन के अलावा, उन्होंने मिलान फ़ैशन वीक में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और एक ग्लोबल फ़ैशन आईटी गर्ल के रूप में अपनी पहचान बनाई।

उनकी आने वाली फ़िल्मों का लाइनअप भी उतनी ही प्रभावशाली हैं - वह जल्द ही कॉन्टिलो पिक्चर्स की फ़िल्म 'महायोद्धा राम 3ष्ठ' में माँ सीता को अपनी आवाज़ देंगी, मधुर भंडारकर के साथ 'द वाइव्स' में फिर से नज़र आएंगी, और वरुण धवन के साथ 'है जवानी तो इश्क होना है' में स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी। हर प्रोजेक्ट में उनकी प्रतिभा का एक अलग पहलू दिखाई देता है, चाहे वो ड्रामा हो, वॉइस एक्टिंग हो या एनर्जेटिक डांस परफॉर्मेंस।

लेकिन शायद मौनी के पहले से ही बिजी शेड्यूल का सबसे रोमांचक हिस्सा है उनका पहला टॉलीवुड डेब्यू — मेगास्टार चिरंजीवी के साथ फिल्म 'विश्वंभरा' में। यह कदम उन्हें न सिर्फ एक प्रतिभाशाली बल्कि एक भरोसेमंद स्टार के रूप में और मज़बूत करता है। बॉलीवुड, ओटीटी, रीजनल सिनेमा और यहाँ तक कि एनिमेटेड फ़ीचर्स फिल्म तक फैली प्रोजेक्ट के साथ, मौनी रॉय न केवल व्यस्त हैं, बल्कि वह रणनीतिक रूप से एक शानदार करियर ट्रैजेक्टरी का निर्माण कर रही हैं जो किसी भी इंडस्ट्री और फॉर्मैट तक सीमित नहीं है। अपने नए OTT सफर की शुरुआत के साथ यह साफ़ हो जाता है कि मौनी रॉय अपने करियर के शिखर पर हैं — और 2025 तो बस उस असाधारण अध्याय की शुरुआत है, जो उनकी पहले से ही शानदार यात्रा को और ऊँचाइयों तक ले जाएगा।

आपका लाइफस्टाइल कहीं आपको अर्थराइटिस का शिकार तो नहीं बना रहा, जानें बचाव के उपाय

पहले के समय माना जाता था कि घुटनों या फिर जोड़ों की समस्या सिर्फ बुजुर्गों में होती है। लेकिन आज के समय में यह परेशानी युवाओं में देखने को मिल रही है। वहीं आजकल युवाओं में बदलती लाइफस्टाइल और खानपान ने लाइफ की क्वालिटी में असर डालता है। जिस कारण 30-40 साल के उम्र के लोगों में अर्थराइटिस की समस्या अधिक देखने को मिल रही है। यंग लोगों में जोड़ों का दर्द या अर्थराइटिस की समस्या की क्या वजह हैं और इससे कैसे बचा जा सकता है।

आजकल लोग घंटों तक टीवी या लैपटॉप के सामने बैठे रहते हैं। जो लोग ऑफिस में लगातार 8-9 घंटे तक एक पोजिशन में बैठे रहते हैं। इन लोगों को अर्थराइटिस की समस्या हो सकती है। वहीं जो लोग घंटों एक ही पोजिशन में बैठकर मोबाइल चलाते हैं। ऐसी आदतें जोड़ों और मांसपेशियों के लचीलेपन को कम करती हैं, जिस कारण जोड़ों या घुटनों में डिजनरेशन तेजी से होने लगता है।

आजकल खानपान काफी ज्यादा बदलाव आया है। ऑफिस में बैठकर या फिर टीवी देखते हुए रात भर बर्गर, चिप्स और पैकेज्ड फूड खाने के कारण लगातार वजन बढ़ता है। हाई शुगर और हाई कोलेस्ट्रॉल वाली डाइट की वजह से मोटापा बढ़ता है। इसका सीधा असर हमारे जोड़ों पर पड़ता है। वहीं अधिक वजन घुटनों और हिप्स पर स्ट्रेस को बढ़ाता है, जोकि अर्थराइटिस की समस्या को बढ़ा देता है।

अगर खेल-कूद या किसी भी शारीरिक एक्टिविटी के दौरान युवाओं को चोट लगने पर सही इलाज नहीं कराया जाए, या फिर रिहैबिलिटेट न किया जाए, तो यह कार्टिलेज और लिंगामेंट्स को नुकसान पहुंचा सकती है। ऐसी स्थिति में कम उम्र में ही अर्थराइटिस होने की संभावना बढ़ जाती है। युवा तनाव अधिक रहता है और वह देर रात तक मोबाइल चलाते रहते हैं। जिस कारण उनकी नींद पूरी नहीं हो पाती है। नींद पूरी न होने का असर शरीर के इम्यून सिस्टम पर पड़ता है और जोड़ों में सूजन और दर्द की समस्या बढ़ सकती है।

एक्सपर्ट की मानें, तो रुमेटॉइड अर्थराइटिस ऑटोइम्यून बीमारी है। इसमें शरीर का इम्यून सिस्टम खुद अपने जोड़ों के कार्टिलेज को नुकसान पहुंचाने लगता है। इसके कारण लोगों को जोड़ों में या घुटनों में दर्द होने लगता है। इस बीमारी को पहचानने के लिए स्पेशल टेस्ट कराए जाते हैं। जिसको डॉक्टर की सलाह पर कराना चाहिए। इसको कंट्रोल करने के लिए डॉक्टर दवाएं देते हैं।

वजन कंट्रोल करने के लिए अपने खाने-पीने का खास ख्याल रखें। पौष्टिक खाने के अलावा मौसमी फल और सब्जियों का सेवन करें। जो लोग रोजाना खेलकूद में हिस्सा लेते हैं, उनको चोट से बचने की जरूरत है। अगर खेलने के दौरान चोट लग जाए, तो सही इलाज जरूर कराएं।

अगर सीढ़ियां चढ़ते-उतरते समय घुटनों में दर्द होता है, तो डॉक्टर से चेकअप कराएं और इलाज शुरूकर दें।

दिवाली बैश में बी-टाउन दीवाज के साड़ी लुक ने बिखेरा जलवा, माधुरी दीक्षित की ग्रेसफुल साड़ी

धीरे-धीरे कम होंगे डार्क सर्कल्स, अपनाएं ये दो मिनट की असरदार फेस एक्सरसाइज

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में हम सेहत को पीछे छोड़ते हुए जा रहे हैं। खासकर मानसिक थकान, नींद की कमी और गलत खानपान की वजह से हमारी त्वचा और आंखों के नीचे पड़ने वाले काले घेरे यानी डार्क सर्कल्स एक आम समस्या बन चुके हैं। चाहे वो ऑफिस में लंबे समय तक स्क्रीन के सामने बैठना हो या फिर देर रात तक मोबाइल चलाना, इन सब चीजों के कारण डार्क सर्कल्स और भी गहरे होते जाते हैं, जो चेहरे की खूबसूरती को बिगाड़ते हैं। ऐसे में हर कोई इससे निजात पाना चाहता है, वो भी बिना किसी महंगे इलाज या केमिकल प्रोडक्ट्स के। आयुष मंत्रालय और योग विशेषज्ञों के अनुसार, कुछ आसान घरेलू उपाय और फेस एक्सरसाइज न केवल डार्क सर्कल्स से राहत दिला सकती हैं, बल्कि चेहरे की त्वचा को भी जवान और दमकता हुआ बना सकती हैं। इन्हीं में से एक बेहद सरल लेकिन प्रभावी उपाय है चेहरे की एक खास एक्सरसाइज, जिसे आप दिन में कभी भी कर सकते हैं। इस एक्सरसाइज को न तो किसी खास उपकरण की जरूरत होती है, न ही किसी महंगे ब्यूटी ट्रीटमेंट की।

इस एक्सरसाइज की शुरुआत गुनगुने पानी से होती है। सबसे पहले, एक गिलास हल्का गुनगुना पानी लें और उसे मुंह में भर लें। अब, मुंह में पानी भरे रहने के दौरान अपने चेहरे की सभी मांसपेशियों को जितना हो सके टाइट करें। इस स्थिति में करीब दो मिनट तक रुकें। इसके बाद पानी को बाहर निकाल दें। दिखने में यह एक्सरसाइज जितनी आसान लगती है, असर में यह उतनी ही दमदार है।

यह प्रक्रिया चेहरे की भीतरी मांसपेशियों को हल्की स्ट्रेच देती है, जिससे वहां ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है। जब चेहरे की कोशिकाओं तक भरपूर ऑक्सीजन और पोषक तत्व पहुंचते हैं, तो त्वचा स्वाभाविक रूप से स्वस्थ और दमकती दिखती है। आंखों के नीचे की सूजन धीरे-धीरे कम होने लगती है और काले घेरे हल्के पड़ने लगते हैं। इसके अलावा, चेहरे को टाइट करने से स्किन की टोनिंग होती है, जिससे झुर्रियों की शुरुआत भी रोकी जा सकती है।

इस एक्सरसाइज को रोजाना दिनचर्या में शामिल करने की सलाह दी जाती है, खासकर उनके लिए जो दिनभर स्क्रीन के सामने रहते हैं या जिनकी नींद पूरी नहीं हो पाती। ऐसे लोगों में डार्क सर्कल्स का खतरा कई गुना ज्यादा होता है, क्योंकि लगातार थकान और नींद की कमी से आंखों के नीचे की त्वचा सबसे पहले प्रभावित होती है।

फेस टाइटनिंग एक्सरसाइज न केवल इस क्षेत्र की मांसपेशियों को मजबूत करती है, बल्कि मानसिक सुकून भी देती है। जब हम इसे करते हैं, तब हम अनजाने में कुछ देर के लिए गहरी सांसें भी लेने लगते हैं, जिससे शरीर और दिमाग को शांति मिलती है। यह भी एक वजह है कि इसे एक तरह का माइक्रो मेडिटेशन भी कहा जा सकता है, जो चेहरे पर भी असर करता है और मन पर भी।

सफाई के दौरान न करें ये गलती वरना शरीर में घर बना लेगी ये बीमारी

दिवाली सफाई के दौरान सबसे आम समस्या होती है धूल का उड़ना। घर के कोनों, फर्नीचर, पंखों और पर्दों में जमा महीनों पुरानी धूल जब उड़ती है तो हवा में मौजूद कण नाक और फेफड़ों में चले जाते हैं। इससे एलर्जी, छींक, खांसी, आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। विशेष रूप से जिन लोगों को पहले से अस्थमा या साइनस की शिकायत है, उनके लिए यह स्थिति और भी ज्यादा खतरनाक हो सकती है। एक्सपर्ट सलाह देते हैं कि सफाई करते वक्त मास्क और दस्ताने पहनें, ताकि धूल और केमिकल्स का असर शरीर पर न पड़े।

मार्केट में मिलने वाले कई क्लीनिंग एजेंट्स, डिटर्जेंट और फ्लोर क्लीनर्स में बहुत ही स्ट्रॉन्ग केमिकल्स होते हैं। इनका ज्यादा इस्तेमाल करने से त्वचा पर रैशेज, खुजली, जलन, और आंखों में पानी आना जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, इन केमिकल्स की गैस लंबे समय तक सांस के जरिए शरीर में जाती है तो फेफड़ों को नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए सफाई करते वक्त रबर के ग्लव्स और सेफ्टी गॉगल्स का इस्तेमाल जरूरी है। कोशिश करें कि कमरे की खिड़कियां और दरवाजे खुले रहें ताकि वेंटिलेशन बना रहे। दिवाली की सफाई में अक्सर महिलाएं और बुजुर्ग घंटों झुककर या सीढ़ियों पर चढ़कर सफाई करते हैं। इससे पीठ, गर्दन और पैरों में दर्द शुरू हो जाता है। कई बार मसल्स स्ट्रेन या जोड़ों में सूजन जैसी समस्याएं भी सामने आती हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, सफाई का काम ब्रेक लेकर धीरे-धीरे करना चाहिए। लगातार झुककर काम करने से बचें और सही पॉश्चर बनाए रखें। अगर दर्द महसूस हो, तो तुरंत रुक जाएं और आराम करें। सफाई के दौरान यह बहुत जरूरी है कि घर में अच्छी वेंटिलेशन हो। जब हवा का प्रवाह होता है, तो धूल और केमिकल्स हवा में ज्यादा देर तक नहीं ठहरते। इसलिए सफाई करते वक्त दरवाजे और खिड़कियां खुली रखें। साथ ही, झाड़ू की बजाय गीले कपड़े या मोप का इस्तेमाल करें। इससे धूल उड़ने के बजाय कपड़े पर चिपक जाएगी और हवा में नहीं फैलेगी। इससे एलर्जी और सांस की परेशानी का खतरा कम होगा।

सिद्धांत चतुर्वेदी ने अपनी डांस परफॉर्मेंस से 70वें फिल्मफेयर अवार्ड्स में लगाया चार चाँद

सिद्धांत चतुर्वेदी ने 70वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स के मंच पर अपनी दमदार परफॉर्मेंस से आग लगा दी, जहाँ उन्होंने बॉलीवुड के दिग्गज डांस आइकॉन शम्मी कपूर, जितेन्द्र, मिथुन चक्रवर्ती, गोविंदा, शाहिद कपूर और ऋतिक रोशन को एक शानदार ट्रिब्यूट दिया। अपनी एनर्जी, चार्म और स्टेज प्रेज़ेंस के लिए मशहूर सिद्धांत ने दर्शकों को बॉलीवुड के डांस के सुनहरे दौरों की एक नॉस्टैल्जिक यात्रा पर ले गए। एक स्पेशल कोरियोग्राफ्ड मेडली में उन्होंने इन सभी सितारों के आइकॉनिक सिग्नेचर गानों पर डांस किया, जो हिंदी सिनेमा में डांस की यात्रा और विकास को दर्शाते हैं। उन्होंने शुरुआत की शम्मी कपूर के जोश और करिश्मे से भरे गाने चाहे कोई मुझे जंगली कहे से, जिसमें उनका विंटेज अंदाज़ और एनर्जी देखने लायक थी। इसके बाद उन्होंने जितेन्द्र के सदाबहार गाने एक आँख मारूं तो पर डांस करते हुए उनका जंपिंग जैक स्टाइल बखूबी पेश किया। मंच तब पूरी तरह 80ह्य के डिस्को वाइब्स में रंग गया जब सिद्धांत ने मिथुन चक्रवर्ती के कल्ट हिट जूली जूली पर धमाकेदार डांस किया। उन्होंने फिर गोविंदा के मज़ेदार अंदाज़ और कॉमिक टाइमिंग को आपके आजाने से के जरिए दोहराया, जिससे दर्शकों के चेहरे पर मुस्कान आ गई।

आधुनिक युग में प्रवेश करते हुए सिद्धांत ने शाहिद कपूर की यूथफुल एनर्जी को सड्डी गली आजा पर रिक्रिएट किया, और अंत में ऋतिक रोशन के आइकॉनिक दिल ने दिल को पुकारा पर डांस करते हुए शो को शानदार अंदाज़ में खत्म किया — जहाँ उनकी स्मूद मूव्स और फिनेस ने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। यह परफॉर्मेंस इसलिए और खास रही क्योंकि यह सिद्धांत चतुर्वेदी का पहला ऑन-स्टेज डांस एक्ट था।

दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने अब तक अपनी किसी फिल्म में डांस सीक्वेंस नहीं किया है, फिर भी उन्होंने हर स्टेप को इतनी सहजता, एनर्जी और कॉन्फिडेंस से निभाया कि यह यकीन करना मुश्किल था कि यह उनका डेब्यू डांस परफॉर्मेंस है। उनका यह शानदार ट्रिब्यूट रेट्रो चार्म और मॉडर्न एनर्जी का एक परफेक्ट संगम साबित हुआ। सिद्धांत ने न सिर्फ बॉलीवुड के इन महान डांसर्स को सम्मान दिया, बल्कि अपनी अनोखी स्टाइल और फ्रेश एनर्जी से दर्शकों का दिल भी जीत लिया। वर्क फ्रंट की बात करें तो सिद्धांत चतुर्वेदी हाल ही में 'धड़क 2' में नजर आए थे। इसके अलावा, उनके पास कई रोमांचक प्रोजेक्ट्स हैं, जिनमें 'दिल का दरवाज़ा खोल ना डार्लिंग' शामिल है। साथ ही, वे अजय देवगन फिल्म्स के साथ एक नए प्रोजेक्ट को लेकर भी चर्चा में हैं।

शब्द सामर्थ्य -201

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. आय व्यय का लेखा-जोखा, गणित, एकाउंट 3. बिनती, अदब 6. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 7. मूल्यवान, बहुमूल्य 8. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 10. बराबर, सम 12. मुख, चेहरा 14. अनुकृति, अनुकरण, असल का विलोम 17. दिमाग, मस्तिष्क 18. मनोहर, सुंदर, इच्छित, प्यारा 19. गर्मी, ताप 21. रसिया, प्रेमी, रसपान करने वाला 23. दबाव, भार 24. भीख 25. काम से जी चुराने वाला, आलसी।

ऊपर से नीचे
1. साहस, वीरता, बहादुरी 2. बहिन, प्रवाहित होना 3. प्रणय क्रीडा, सुखोपभोग, हावभाव 4. विश्वास, प्रतीति 5. इंतजार 9. खाने-पीने का सामान, रसद 11. नशीला, मदभरा 12. घायल, जख्मी 13. झुकना, प्रणाम, नमस्कार 14. दृष्टि, निगाह 15. तीव्रइच्छा 16. अर्थ, अभिप्राय, स्वार्थ 20. इम्तिहान, योग्यता आदि को परखना 22. जुल्म, अन्याय 23. पत्नी, बीवी, एक प्रत्यय।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 200का हल

दा	ढ़ी		की		खा	सो	आ	म
वा		त	म	न्ना			जा	
न	जा	क	त		बा	अ	द	ब
ल		ली		वि	ला	प		हा
	अ	फ	सा	ना		मा	हि	र
दा	ब			श	गु	न		
न		उ	प	का	र		शि	
व		ल्स		र		त	क	ला
	सा	व	न		गु	रु	वा	र

ओबीसी वर्ग की प्रगति के लिए एकजुट होकर करें कार्य :आर.एस. विश्वकर्मा

पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा कर दिए जरूरी दिशा-निर्देश

कोरिया बैकुंठपुर । छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष आर.एस. विश्वकर्मा ने कहा कि पिछड़ा वर्ग के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक उत्थान के लिए सभी विभागों को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि समाज की सशक्तता तभी संभव है जब योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

उन्होंने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक में विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देशित किया कि पिछड़ा वर्ग के अधिक से अधिक हितग्राही शासकीय योजनाओं से लाभान्वित हों।

बैठक में आयोग के सदस्य यशवंत सिंह वर्मा, बलदाऊ राम साहू, हरिशंकर यादव और कृष्णा गुप्ता, कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ावर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण, मनरेगा, पशु चिकित्सा, उद्यानिकी, मत्स्य, खाद्य, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, उद्योग व्यापार केंद्र, कौशल विकास, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं की समीक्षा की गई।

अध्यक्ष श्री विश्वकर्मा ने ओबीसी छात्रावास निर्माण के प्रस्ताव शीघ्र भेजने, स्कॉलरशिप योजना का लाभ सभी पात्र विद्यार्थियों को दिलाने, तथा पीएम विश्वकर्मा योजना के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जाति प्रमाणपत्र बनाते समय क्रीमी एवं नॉन क्रीमी लेयर के प्रावधानों का पालन किया जाए। साथ ही पिछड़ा वर्ग के लोगों को चिन्हित व्यवसायों में सहकारी समितियां बनाकर सामूहिक रूप से कार्य करने की अपील की, जिससे समाज की आर्थिक सशक्तता को बल मिलेगा।

अध्यक्ष ने युवाओं से कहा कि वे तकनीकी शिक्षा अपनाएं, सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भर बनें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे संवेदनशीलता के साथ कार्य करें, गांवों में जाकर जनता से संवाद करें और समस्याओं का त्वरित निराकरण करें।

श्री विश्वकर्मा ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के तहत यह विगत वर्ष यह आयोग का गठन किया गया। उन्होंने बताया कि देश मे पहली बार जाति जनगणना 1932 में हुआ था। उन्होंने यह भी बताया कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग को मिलाकर 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण नही चाहिए। छत्तीसगढ़ में 95 जातियों को अन्य पिछड़े वर्ग में शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि नगरीय निकायों में 33 प्रतिशत तथा पंचायत में 57 प्रतिशत आबादी ओबीसी वर्ग की है।

अध्यक्ष श्री वर्मा ने अधिकारियों को सुझाव दिया कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में फलदार वृक्ष लगाए जाएं और यहाँ की जलवायु को देखते हुए फसलों को बढ़ावा देने को कहा। उन्होंने ओबीसी वर्ग के युवाओं को स्वरोजगार व रोजगार में भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया।बैठक में अपर कलेक्टर सुरेन्द्र प्रसाद वैद्य, डीडी मंडावी, डिप्टी कलेक्टर राकेश साहू सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

संभागीय अधिमान्यता समिति में कोरिया जिले के प्रविंद्र सिंह , योगेश चंद्रा को मिला स्थान

कोरिया बैकुंठपुर। पत्रकारिता जगत के लिए गर्व का विषय है कि कोरिया जिले के वरिष्ठ पत्रकारों को जनसंपर्क विभाग की संभागीय अधिमान्यता समिति सरगुजा में शामिल किया गया है। जिला जर्नलिस्ट प्रेस क्लब कोरिया के अध्यक्ष प्रवीन्द्र सिंह एवं महासचिव योगेश चंद्रा को समिति में स्थान मिलने पर जिले के पत्रकारों व शुभचिंतकों में हर्ष की लहर है।पत्रकारिता के क्षेत्र में अधिमान्यता समिति एक महत्वपूर्ण

संस्था मानी जाती है, जो पत्रकारों के हितों की रक्षा एवं उनके मान-सम्मान से जुड़ी होती है। किसी पत्रकार को अधिमान्यता प्राप्त होना उसके कार्य और निष्ठा की आधिकारिक स्वीकृति के समान है। हाल ही में छत्तीसगढ़ शासन ने जनसंपर्क विभाग की संभागीय अधिमान्यता समितियों का पुनर्गठन कर नए सदस्यों को शामिल किया है। इसी क्रम में सरगुजा संभाग के अंतर्गत आने वाले कोरिया जिले से दो प्रतिनिधियों को स्थान मिला है, जिससे जिले की पत्रकारिता को नई पहचान मिली है। पत्रकार प्रवीन्द्र सिंह और योगेश चंद्रा लंबे समय से पत्रकारिता क्षेत्र में सक्रिय हैं और निष्पक्ष व जनहितकारी समाचार प्रस्तुत करने के लिए पहचाने जाते हैं। दोनों के चयन से स्थानीय पत्रकारों में उत्साह का माहौल है। जिले के वरिष्ठ पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों ने उन्हें इस नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई दी है और आशा व्यक्त की है कि वे पत्रकारों की समस्याओं के निराकरण एवं पत्रकारिता की गरिमा बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

छत्तीसगढ़ में मौसम बदलने लगा, सर्द हवाओं की दस्तक

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून अब विदाई की ओर है। सुबह की ओस और रात की ठंडी हवा ने आने वाली सर्दी का एहसास करा दिया है। मौसम विभाग के अनुसार एक-दो दिनों में मानसून पूरी तरह लौट सकता है। राजधानी रायपुर में मंगलवार को दिनभर मौसम सामान्य रहा। आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान लगातार गिरने की संभावना जताई गई है।

डीएवी स्कूल में हुआ रन फॉर मैराथन का आयोजन

कोरिया पांडवपारा। कोरिया में रन फॉर मैराथन डीएवी मैराथन का आयोजन किया गया सि जी जोन डीएवी कालेज प्रबंधक समिति नई दिल्ली एवं दाव सीजी जॉन ए के डायरेक्टर प्रशांत कुमार के निर्देशानुसार प्राचार्य पी एल वर्मा के मार्गदर्शन मैं संपन्न हुआ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आर पी मिश्रा सह क्षेत्र प्रबंधक एसईसीएल झिलमिलि थे जबकि विशेष अतिथि के रूप में सोमवती मिश्रा अध्यक्ष तेजस्विनी महिला मंडल मीली भट्टाचायृ श्रीमती बिद्या पांडे बीके पांडे अभय गोविंदवार आर बंजारे और अभिजीत देश भट्टाचार्य उपस्थित मुख्य अतिथि मिश्रा ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन का शुभारंभ किया लगभग 200 छात्र छात्राएं अभिभावक एवं शिक्षक शिक्षिकाएं उल्लास पूर्वक इस दौड़ में शामिल हुए यह दौड़ विद्यालय परिषद से प्रारंभ होकर रामनाथ चौक एवं शिव मंदिर मार्ग से होते हुए पुन: विद्यालय प्रांगण में संपन्न हुआ बालक वर्ग में सूरज सोनवानी ने प्रथम पॉपुलर काशी ने द्वितीय अक्षय साहू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया जबकि अभिषेक रजक एवं जावेद आलम अंसारी को साथ मन पुरस्कार मिला बालिका वर्ग में कौशल्या प्रथम नीरज गुप्ता द्वितीय प्रीति साहू तृतीय रही वही अविका साहू एवं कोमल जायसवाल को सातवन्ना स्थान मिला मुख्य अतिथि मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार संतोष कटकवार मोजेश दास डॉ दिवाकर श्री तीर्थ राज नायक यशोदा नंदन मुकेश चंद्र शास्त्री हरीश तिवारी प्रताप केसरी शिवकुमार पांडे संजय कुमार शंकर कुमार साह अमित सिंह यशवंत प्रधान वेद

प्रकाश शास्त्री स्वरूपा दास रूपाली वेद विमला अग्रवाल नमिता जायसवाल सुमन दास सुनीता प्रजयोत नीतू यादव किया बोस रितेश पाल लक्ष्मण साहू रमेश चंद्र शाह स्नेहा मिश्रा राधिका गुप्ता श्रीमती बिंदु मेम प्रीति साहू डिंपल बैषणव उमेश कुमार का आयोजन के अनुसार समूह भावना और खेल भावना का विकास होता है।

चर्चा ईस्ट खदान में फिर हथियारबंद गिरोह का हमला

कोरिया चरचा कालरी। लगातार बढ़ते अपराधों और प्रशासनिक लापरवाही ने अब चरचा क्षेत्र को असुरक्षित बना दिया है। बीते पंद्रह दिनों में यह दूसरी बड़ी घटना है, जब हथियारबंद गिरोहों ने खदान परिसर में घुसकर खुलेआम चोरी और लूट को अंजाम दिया।15 अक्टूबर की रात्रि चर्चा ईस्ट खदान के मुहाड़ा क्षेत्र में लगभग 27 नकाबपोश बदमाशों का गिरोह खदान के अंदर घुस गया। गिरोह ने खदान के अंदर से लाखों रुपये मूल्य का लगभग 400 मीटर लंबा आर्म्ड बिजली केबल काटकर ले गए। इस पूरे वारदात दौरान उन्होंने वहां ड्यूटी पर तैनात चार कर्मचारियों को बंधक बनाकर रखा वहीं बाद में पहुंचे एक इलेक्ट्रीशियन को जान से मारने की धमकी देकर वहीं बैठा लिया। घटना कई घंटों तक चलती रही, लेकिन न तो विभागीय सुरक्षा बल ने कोई प्रतिरोध किया, न ही पुलिस की कोई टीम मौके पर पहुंची।सूत्रों के अनुसार, गिरोह ने पूरी योजना बनाकर इस वारदात को अंजाम दिया। केबल काटने के लिए उन्होंने उन्नत औजारों का इस्तेमाल किया। उल्लेखनीय है कि केवल पंद्रह दिन पहले ही इसी क्षेत्र में हथियारबंद गिरोह द्वारा चर्चा बेस्ट खदान के अंदर घुसकर डेढ़ सौ फीट लंबा केवल काटा गया इसके अतिरिक्त पावर हाउस से 3.3 केवी की बिजली की आपूर्ति करने वाले विद्युत प्रवाहित केबल काटने की घटना घट चुकी थी, जिसके बावजूद न तो एसईसीएल प्रबंधन ने सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ की, और न ही पुलिस ने किसी तरह की कार्रवाई की।सुरक्षा व्यवस्था महज़ दिखावा साबित.......चर्चा ईस्ट खदान परिसर में करोड़ों रुपये मूल्य की सामग्री खुले में रखी रहती है, लेकिन उसकी सुरक्षा के नाम पर केवल औपचारिकता निभाई जा रही है। विभागीय सुरक्षा बल का आकार बड़ा होने के बावजूद उसकी कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं। सुरक्षा विभाग और सह क्षेत्र

प्रबंधक (भू-संपत्ति अधिकारी) की जिम्मेदारी बनती है कि वे एसईसीएल की संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करें, किंतु लगातार हो रही वारदातें उनकी कार्यशैली पर बड़ा सवालिया निशान खड़ा करती हैं। आखिर क्या कारण है कि क्षेत्र प्रबंधक चोरियों को रोकने में नाकाम साबित हो रहे है, चोरी रोकने हेतु उच्च स्तरीय प्रयास क्यों नहीं किया गया,,एसईसीएल को लगातार हो रही आर्थिक क्षति के लिए कौन जिम्मेदार है। पुलिस प्रशासन की भूमिका भी संदिग्ध...... चरचा थाना क्षेत्र में पिछले कुछ महीनों से अपराधी गतिविधियों में भारी बढ़ोतरी हुई है। कई घटनाओं की जानकारी मिलने के बावजूद पुलिस की कार्यवाही केवल कागजों तक सीमित रही है। क्षेत्र में अपराधियों के बढ़ते मनोबल का कारण यही ढिलाई मानी जा रही है। जनता का कहना है कि पुलिस और सुरक्षा विभाग की नाकामी के कारण अब अपराधियों को सरकारी परिसरों तक में वारदात करने से डर नहीं रहा।जनता में दहशत, प्रबंधन मौन.......लगातार हो रही इन घटनाओं से क्षेत्र के मजदूर, कर्मचारी और आम नागरिक दहशत में हैं। लोगों ने मांग की है कि चर्चा ईस्ट खदान की सुरक्षा की गहन जांच की जाए, गिरोहों की पहचान कर त्वरित गिरफ्तारी हो तथा विभागीय और पुलिस अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए।यदि जल्द ही ठोस कदम नहीं उठाए गए तो यह क्षेत्र संगठित अपराधियों के लिए सुरक्षित अड्डा बन सकता है, जहां कानून और सुरक्षा व्यवस्था केवल कागजों में सिमटकर रह जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस एवं राष्ट्रीय पोषण माह के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

कोरिया बैकुंठपुर । महिला एवं बाल विकास विभाग कोरिया छ0ग0 के द्वारा भारत सरकार की कार्ययोजना अनुसार 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना अतंर्गत महिला सशक्तिकरण और बलिकाओं के उज्जवल भविष्य को समर्पित अंतराष्ट्रीय बालिका दिवस एवं राष्ट्रीय पोषण माह के अवसर पर कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी एन0एस0 रावटे के मार्गदर्शन में शासकीय कन्या महाविद्यालय बैकुण्ठपुर में बालिकाओं का जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, ताकि बालिकाएं अपने साथ होने वाली किसी भी प्रकार की हिंसात्मक घटनाओं से बचा सकें एवं पोषण माह अंतर्गत बालिकाओं को पोषण संबंधित जानकारी दिया गया। कार्यक्रम में जिला मिशन समन्वयक, श्रीमति दीपिका पटेल, जेन्डर विशेषज्ञ श्रीमति अनुराधा तिवारी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में जिला मिशन समन्वयक श्रीमति पटेल के द्वारा विभाग के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए संचालित सभी योजनाएं जैसे- महिला सशक्तिकरण, सखी वन स्टाप सेन्टर, महिला हेल्पलाईन 181, चाईल्ड लाईन 1098, घरेलु हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005, महतारी वंदन योजना, मातृत्व वदन योजना, शक्ति सदन, बाल विवाह प्रतिषेध के बारे में जानकारी दिया गया।

कार्यक्रम में बालिकाओं को उनके साथ होने वाले घटनाओं का खुल कर विरोध करने का सुक्षाव दिया गया। बताया गया की स्वस्थ्य नारी सशक्त परिवार का सपना तभी सकार होगा जब हम न केवल शरीरिक रूप से बल्कि मानसिक रूप से भी सशक्त होगें। कार्यक्रम में प्रचार्य श्रीमती डॉ0 आर0एन0 कच्छप, सहायक प्रचार्य श्रीमती कनकलता पैकरा, अतिथि व्यख्याता विनय कुमार गुप्ता एवं महाविद्यालय के सभी स्टॉप का सहयोग प्राप्त हुआ।

जिले में दलहन-तिलहन के क्षेत्र में उछाल, धान के रकबे में कमी

कोरिया बैकुंठपुर । छत्तीसगढ़ में विगत वर्ष धान की बंपर पैदावार के बावजूद अब किसानों में पारंपरिक फसलों के साथ अन्य फसलों की ओर रुझान बढ़ने लगा है। कोरिया जिले के किसान अब धान के अलावा दलहन, तिलहन की खेती में भी रुचि ले रहे हैं, जिससे फसल विविधीकरण की दिशा में एक सकारात्मक परिवर्तन देखा जा रहा है।

धान के रकबे में कमी,

कृषि विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, खरीफ वर्ष 2024-25 में जिले में 33,842 हेक्टेयर में धान की बुवाई की गई थी, जबकि वर्तमान खरीफ वर्ष 2025-26 में 32,920 हेक्टेयर में धान बोए गए हैं। इस प्रकार 922 हेक्टेयर क्षेत्रफल में (2.75 प्रतिशत) कमी दर्ज की गई है।

दलहन-तिलहन के रकबे में वृद्धि,

जिले में दलहन और तिलहन फसलों के रकबे में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। विगत वर्ष 9,194 हेक्टेयर में दलहन की खेती की गई थी, जबकि इस वर्ष यह बढ़कर 9,730 हेक्टेयर हो गई है यानि 536 हेक्टेयर (5.82 प्रतिशत) की वृद्धि की गई है। वर्ष 2024 में 1,874 हेक्टेयर क्षेत्र में तिलहन की बुवाई हुई थी, जबकि वर्तमान वर्ष में यह बढ़कर 2,272 हेक्टेयर तक पहुँच गई है यानी 398 हेक्टेयर (21.23 प्रतिशत) की बढ़ोतरी हुई है।

मूंगफली फसलों के रकबे में उछाल,

मूंगफली फसल की बात करें तो इसमें भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। पिछले वर्ष 933 हेक्टेयर में बुवाई की गई थी, जबकि इस वर्ष यह बढ़कर 1,520 हेक्टेयर हो गई है यानि 587 हेक्टेयर (38.61 प्रतिशत) की वृद्धि हुई है।

जिले के किसान फसल विविधीकरण की ओर अग्रसर,

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा प्रदेश के किसानों और ग्रामीणों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए उठाए गए ठोस कदमों का ही यह परिणाम है कि अब जिले के किसान फसल विविधीकरण की ओर अग्रसर हो रहे हैं। जिले के किसान धान के अलावा दलहन, तिलहन फसलों के माध्यम से अपनी आमदनी बढ़ाने में रूचि ले रहे हैं। आने वाले समय में कोरिया जिला दलहन-तिलहन उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी जिलों में शामिल होगा। कृषि विभाग द्वारा किसानों को उन्नत बीज, तकनीकी मार्गदर्शन और विपणन सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, जलवायु और मिट्टी की उपयुक्तता के चलते जिले में तिलहन और दलहन दोनों की पैदावार में और वृद्धि की संभावना।

सारनाथ तीन महीने में 32 दिन रहेगी रद्द: वजह बताई कोहरा, पर इसी रूट पर चलेगी दूसरी ट्रेन

रायपुर । ठंड का मौसम शुरू होने से पहले ही रेलवे ने संभावित घने कोहरे के कारण दुर्ग से छपरा जाने वाली यात्रियों की पसंदीदा ट्रेन को दिसंबर, जनवरी और फरवरी में विभिन्न तिथियों पर रद्द करने का निर्णय लिया है। इस फैसले से उत्तरप्रदेश और बिहार जाने वाले यात्रियों की परेशानी अभी से बढ़ गई है। यह ट्रेन नियमित रूप से चलने वाली सेवा है, जिसमें रोजाना बड़ी संख्या में यात्री सफर करते हैं। हर साल की तरह इस बार भी रेलवे ने कोहरे की संभावना को देखते हुए अग्रिम रूप से ट्रेनों को रद्द करने का निर्णय लिया है।पिछले पांच पहले वर्षों से अधिक समय से रेलवे ठंड शुरू होने से सारनाथ और दिल्ली मार्ग की कई ट्रेनों को इसी वजह से रद्द करता आ रहा है। पिछले वर्ष भी जब रेलवे ने यह ट्रेन रद्द की थी, तो यात्रियों ने विरोध जताया था। विरोध के बाद ही रेलवे को ट्रेनों का संचालन दोबारा बहाल करना पड़ा था। आदेश जारी होने के बाद यात्री फिर से बहाल करने की मांग करने लगे हैं।दिसंबर से फरवरी तक 32 दिन रद्द रहेगी सारनाथ:रेलवे ने ठंड में इस बार दिसंबर से फरवरी के बीच 32 दिन सारनाथ को रद्द किया है, जिसमें दिसंबर में 14 दिन, जनवरी में 12 और फरवरी में 6 दिन रद्द रहेगी। पिछले साल रेलवे ने 39 दिन रद्द का आदेश निकाला था। बता दें कि 01, 03, 06, 08, 10, 13, 15, 17, 20, 22, 24, 27, 29 एवं 31 दिसम्बर, 2025 को, जनवरी माह में 03, 05, 07, 10, 12, 14, 17, 19, 21, 24, 26, 28 एवं 31 जनवरी, 2026 को तथा फरवरी माह में 02, 04, 07, 09, 11 एवं 14 फरवरी, 2026 को इस ट्रेन का परिचालन स्थगित किया गया है।रेलवे ने छपरा जाने वाली सारनाथ एक्सप्रेस को दिसंबर से फरवरी तक अलग-अलग तारीखों में रद्द कर यात्रियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। रेलवे का यह अजीबोगरीब फैसला तीसरे साल भी आया है, लेकिन यात्रियों को इसके पीछे का तर्क अभी तक समझ नहीं आया। सारनाथ एक्सप्रेस और गोंदिया बरौनी एक्सप्रेस का रूट लगभग एक जैसा ही है। कुछ नए रूट हैं, लेकिन दोनों ही ट्रेन प्रयागराज व वाराणसी के रास्ते छपरा को जाती है, फिर कोहरे का साया केवल सारनाथ पर ही क्यों बताया जा रहा है! रेलवे का कहना है कि सारनाथ रात 9:15 को रायपुर से निकलती है, जो सुबह 5 बजे सतना पहुंचती है। इस दौरान काफी घना कोहरा होता है, इस वजह से परिचालन में दिक्कत होती है, जबकि दूसरी ट्रेन रात 12:45 को रायपुर से छूटती है और सुबह अपने निर्धारित समय 11:30 को पहुंच जाती है। दोनों ही रात की ट्रेन है, लेकिन कोहरे का ग्रहण केवल सारनाथ पर ही है। एक जैसा रूट होने के बाद केवल सारनाथ को रद्द करने के पीछे का कारण यात्रियों को समझ नहीं आ रहा है।कोहरे के कारण घंटों लेट रेलवे का मानना है ।

लगातार बढ़ते अपराधों पर नकेल की उम्मीद

चरचा पहुँचे पुलिस अधीक्षक, पीड़ित सर्राफा व्यापारी से की भेंट

कोरिया चरचा कालरी । कॉलरी क्षेत्र में बढ़ती आपराधिक घटनाओं के बीच मंगलवार को सर्राफा व्यवसाय से जुड़े जोया ज्वेलर्स के संचालक जैनुद्दीन मडल पर हुए हमले और लूट के प्रयास की घटना ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी। घटना की जानकारी मिलते ही कोरिया जिले के पुलिस अधीक्षक रविंद्र कुर्रे स्वयं चरचा पहुँच गए। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया और पीड़ित व्यापारी जैनुद्दीन मडल से मुलाकात कर विस्तृत जानकारी ली। पुलिस अधीक्षक कोरिया ने थाना प्रभारी चर्चा को घटना से जुड़े हर पहलू पर तत्परता से जांच करने और आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जांच टीम को घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज, संदिग्ध गतिविधियों और संभावित रूट की बारीकी से पड़ताल करने के आदेश दिए।इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक भी मौजूद रहे, जिन्होंने पुलिस अधीक्षक से क्षेत्र में बढ़ती चोरी, लूट और

असामाजिक तत्वों की गतिविधियों को लेकर अपनी चिंताएं व्यक्त कीं। नागरिकों ने कहा कि चर्चा कॉलरी क्षेत्र में आए दिन आपराधिक घटनाएं घट रही हैं, जिससे आमजन में भय और असुरक्षा की भावना बढ़ती जा रही है।जिस पर पुलिस अधीक्षक ने नागरिकों को आश्वस्त किया कि अपराधियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा और चर्चा क्षेत्र में शांति व सुरक्षा की पुनर्स्थापना प्राथमिकता होगी।

स्थानीय लोगों को अब उम्मीद है कि पुलिस अधीक्षक की इस सक्रियता से क्षेत्र में बढ़ते अपराधों पर अंकुश लगेगा और आमजन को फिर से सुरक्षा का भरोसा मिलेगा।

सड़क तक दुकान, आवागमन में बाधा होने पर दिखाई सख्ती

इस मामले को लेकर सिस्टम और कारोबारियों के बीच नोकझोंक

कोरबा। फेस्टिवल सीजन में सड़कों पर दबाव बढ़ने के साथ कई तरह की समस्याएं पैदा हो रही हैं। एक तो सड़कों का दायरा कम, उपर से वाहनों की संख्या ज्यादा और इस पर भी सड़कों तक दुकानों का सामान फैला देना समस्या को बढ़ा रहा है। नगर निगम और पुलिस ने मिलकर शहर के कई इलाकों में अभियान चलाया और सख्ती दिखाकर ऐसे सामानों को अंदर कराया। इसे लेकर नोकझोंक की स्थिति निर्मित हो गई।

पॉवर हाउस रोड, ट्रांसपोर्ट नगर से लेकर निहारिका इलाके में सिस्टम से जुड़े लोगों को आखिरकार मैदान में उतरना ही पड़ा। दरअसल इन क्षेत्रों में फेस्टिवल सीजन के चक्कर में कारोबारियों ने कुछ ज्यादा ही उत्साह दिखाया। उन्होंने प्रचार-प्रसार और उपभोक्ताओं को आकर्षित करने के इरादे से सड़क तक टेंट लगाया और काफी सामानों को डेमों के तौर पर यहां तक रख दिया। स्थिति यह हुई कि सड़क का काफी हिस्सा उसके घेरे में आ गया। सड़क के दोनों तरफ इसी तरह के नजारे निर्मित हुए। ऐसे में सड़कों पर भीड़ और गाड़ियों के दबाव के कारण जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। वायु प्रदूषण के बीच स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कार्यबल को परेशान होना पड़ा। उच्चाधिकारियों को मामले की जानकारी देने के साथ यहां निगम के साथ मिलकर अभियान चलाया गया और जबरिया तरीके से सड़क तक फैलाए गए सामानों को अंदर कराया। चेताया गया कि अगर स्थिति ऐसी ही रही तो आगे और सख्त कदम उठाए जाएंगे।

दीपावली से पहले इस कार्यवाही को लेकर मौके पर तनाव का दृश्य नजर आया। संबंधित लोगों ने अपने तर्क दिए। उनके साथ नोकझोंक भी हुई। अधिकारियों का कहना है कि जाम की समस्या के कारण हर कोई परेशान है। ऐसे में नियंत्रण की कोशिश की जा रही है। किसी के हितों के लिए बहुत सारे लोगों को दिक्कत हो, यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष बनवारी लाल का निधन

कोरबा। छत्तीसगढ़ विधानसभा के प्रथम पूर्व उपाध्यक्ष और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बनवारी लाल अग्रवाल (78) का लंबी बीमारी के बाद 15 अक्टूबर की रात को निधन हो गया। उन्हें अंचल में उनके स्नेही नाम 'बनवारी भैया' के तौर पर जाना जाता था। उनकी अंतिम यात्रा 16 अक्टूबर 2025 को दोपहर 3 बजे उनके निवास स्थान (दुरपा रोड) से शुरू होकर मोतीसागर पारा, कोरबा स्थित मुक्तिधाम जाएगी। श्री बनवारी लाल अग्रवाल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा के प्रति प्रतिबद्ध और एक सिद्धांतवादी भाजपा नेता थे।

छत्तीसगढ़ राज्य गठित होने के बाद वह राज्य के पहले विधानसभा उपाध्यक्ष बने थे। इसके अलावा, उन्होंने विशेष क्षेत्र विकासप्राधिकरण के

अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया। वे पिछले एक लंबे अरसे से अस्वस्थ थे। उनका उपचार बालको हॉस्पिटल और कुछ दिन एक निजी अस्पताल में किया गया, लेकिन उनकी स्थिति में सुधार नहीं हो पाया। उन्होंने कल रात अपने निवास स्थान पर अंतिम सांस ली। उनकी अंतिम यात्रा आज, 16 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे उनके निवास स्थान (दुरपा रोड) से शुरू होकर मोतीसागर पारा, कोरबा स्थित मुक्तिधाम जाएगी।

भौतिकी की परीक्षा में पास होने की चिंता

कोरबा। स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, पोड़ी उपरोड़ा में शिक्षा सत्र के 4 महीने बीतने के बाद भी भौतिकी का केवल एक अध्याय पूरा हो सका। एक सप्ताह पहले यहां शिक्षक की नियुक्ति की गई। दीपावली के बाद अर्धवार्षिक परीक्षा होना है। ऐसे में विद्यार्थियों को चिंता है कि वे इसमें उत्तीर्ण कैसे होंगे।

जानकारी मिली कि शिक्षा सत्र 2025-26 के दौरान इस विद्यालय में भौतिक का ज्ञान देने के लिए शिक्षक था ही नहीं। इस दौरान किसी तरह दूसरे विकल्प अपनाए गए और कोशिश की गई लेकिन इसका कोई असर नहीं हुआ। विद्यार्थियों ने अपने तरीके से भौतिकी की विषयवस्तु और फार्मूले को समझने की कोशिश की। खबर है कि एक सप्ताह पहले ही यहां भौतिकी की शिक्षा देने की व्यवस्था की गई। इससे क्या कुछ लाभ हुआ, यह प्रबंधन जानता है और विद्यार्थी। विद्यार्थियों का कहना है कि अर्धवार्षिक परीक्षा में प्रदर्शन क्या कुछ हो सकेगा यह चिंता का विषय है। इधर युवा कांग्रेस के नेता अंकित पाल ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए काम होना चाहिए। भाजपा शासनकाल में कई प्रकार की दिक्कतें हैं।

सड़क हादसे में युवक घायल

कोरबा। बालको नगर के मुख्य मार्ग पर एक सड़क हादसा हो गया, जिसमें एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार जब युवक घर से ड्यूटी के लिए निकल बालको रोड बीचिंग अल्युमिनियम प्लांट पर पहुंचा था, तब एक कार ने मोटरसाइकिल सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। बताया जा रहा हैं की विजय मुखी गोकुल नगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी कोरबा निवासी अपने नियमित कार्य पर जाने के लिए अपनी मोटरसाइकिल से बालको प्लांट की ओर आ रहा था। वह जैसे ही बालको प्रोजेक्ट गेट के सामने मेन रोड पर पहुंचा, उसी समय बालको की ओर से आ रही एक कार के चालक ने सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल सवार विजय मुखी सड़क पर गिर पड़ा गिरने के कारण युवक के सिर, दोनों पैरों तथा बाएं हाथ में गंभीर चोटें आईं। आस-पास मौजूद लोगों ने तत्काल घायल को सड़क किनारे से उठाकर बालको अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है। हादसे में घायल युवक की मोटरसाइकिल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। हादसे के तुरंत बाद चालक मौके से भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन लोगों की भीड़ जमा हो जाने से वाहन को रोक लिया गया। लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। स्थानीय लोगो का कहना हैं की दुर्घटना स्थल पर कोई सिग्नल या स्पीड ब्रेकर नहीं होने के कारण अक्सर वाहन तेज रफ्तार से गुजरते हैं, जिससे इस तरह की घटनाएं बार-बार हो रही हैं। सूचना मिलते ही बालको पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस ने कार को अपने कब्जे में लेकर चालान प्रक्रिया शुरू कर दी है। घटना की रिपोर्ट घायल के भाई द्वारा थाने में दर्ज कराई गई है। विजय के सिर और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं।

सड़कों की दुर्दशा के खिलाफ चौक पर किया धरना प्रदर्शन

कोरबा। कोरबा शहर के प्रवेश मार्गो गौमाता चौक, ईमलीछापर चौक, कटघोरा रोड की बदहाली तथा शहर के भीतर सड़कों की दुर्दशा में सुधार नहीं होने पर जिला प्रशासन और नगर प्रशासन के खिलाफ टीपी नगर चौक पर आज धरना प्रदर्शन किया गया।

एक सप्ताह पूर्व जिला कलेक्टर एवं निगम आयुक्त को पत्र देकर सड़कों की दुर्दशा को सुधारने का निवेदन किया गया था लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया गया, जिस पर आज लोग एकत्रित हुए और धरना दिया। 24 अक्टूबर से गड्डा नामकरण अभियान भी चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत शहर भर के जितने भी जर्जर सड़क एवं गड्ढे हैं वहां जाकर दोषी अधिकारियों के सदबुद्धि के लिए पूजन कर नामकरण किया जाएगा। नगर निगम कोरबा के सभापति नूतनसिंह ठाकुर ने कहा है कि नागरिकों के मूलभूत सुविधा सडक, बिजली, पानी के लिए भी जनता लगातार परेशान हैं। जब निर्वाचित पार्षद अधिकारियों को समस्या बता रहे हैं तो उनकी उपेक्षा हो रही है। अधिकारी कागजी खानापूर्ति कर सरकार को गुमराह कर रहे हैं। त्यौहारी सीजन में आम आदमी सड़कों की दुर्दशा से हलाकान हो रहा है। सड़कों के धूल, गड्ढे के कारण लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया है। आम जनता सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी पीड़ा बता रही है लेकिन जिला प्रशासन कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ है। अब सरकार को नींद से जगाने के लिए आंदोलन करना जरूरी हो गया है।

कोल पेंशनर्स ने सरकार से कहा हमारे लिए पेंशन में हो एकरूपता

कोरबा। ऑल इंडिया एसोसिएशन का कोल एग्जीक्यूटिव और ऑल इंडिया कोल पेंशनर्स एसोसिएशन ने कोयला मंत्रालय को सीएमपीएफ और एमपी बिल 2025 पर अपने सुझाव प्रस्तुत किए हैं। इनमें पेंशन वृद्धि महंगाई राहत का समावेश करने के साथ समान ग्रेड समान पेंशन प्रणाली को लागू करने पर जोर दिया गया।

संगठन का कहना है की रक्षा सेवाओं में वन रैंक वन पेंशन प्रणाली में जिस प्रकार के फॉर्मूले अपने गए हैं उसे ही कल सेक्टर में करने की सबसे अहम आवश्यकता है दोनों संगठनों ने कहा कि कम पीएफ और एमपी अधिनियम 2025 केवल पुराने 1948 अधिनियम का प्रतिस्थापन ना होकर एक गतिशील सामान और महंगाई से जुड़ी पेंशन व्यवस्था की बुनियाद रखेगा। संगठन की ओर से सुझाव दिया गया है कि एक पद या एक ग्रेड के सभी सेवानिवृत कर्मचारियों को समान पेंशन प्राप्त होनी चाहिए। उन्हें उपभोक्ता मूल्य सूचकांक या वेतन सूचकांक से जुड़ी

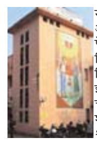

स्वचालित महंगाई राहत देने की आवश्यकता है । औसत राष्ट्रीय पेंशन से जुड़े सरकारी अंशदान जिससे महंगाई राहत का नियमित संशोधन संभव हो सके इसे भी जरूरी किया जाना चाहिए । कहा गया है कि शेड्यूल वन में समक्ष ग्रेड श्रेणियां को परिभाषित करने के साथ सॉस का समान रूप से क्रियान्वयन करने के लिए एमपीएस 1998 को पुनर्गठित करते हुए नए अधिनियम के तहत नई पेंशन योजना लागू की जाए। पेंशनर्स एसोसिएशन के प्रधान महासचिव पीके सिंह राठौड़ ने कहा कि यह कोयला पेंशन धारी के लिए न्याय की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है हमारे सुझाव सरकार को एक स्पष्ट मार्गदर्शी का प्रदान करते हैं जिससे कि हर पेंशन को समान और महंगाई समायोजित सुविधा प्राप्त हो सके।

सीईटीआई में होगी एमएसडीआई की स्थापना

कोरबा। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने कोयलांचल के युवाओं को सशक्त बनाने और समुदायों के समग्र विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। 15 अक्टूबर 2025 को एसईसीएल ने नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनएसडीसी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत कोरबा जिले के गेवरा सीईटीआई में एक अत्याधुनिक मल्टी-स्किल डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट (एमएसडीआई) की स्थापना की जाएगी। इस परियोजना के लिए एसईसीएल द्वारा अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) गतिविधियों के अंतर्गत रुपए 6.86 करोड़ की वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

सबसे अग्रणी राष्ट्र का हो भाव: युगल

कोरबा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारी युगल किशोर दुबे ने कहा कि व्यक्ति परिवार और समाज से भी उपर राष्ट्र के अग्रणी होने की भावना हर किसी को अलग पहचान देती है और उसके राष्ट्रीय कर्तव्यों का पोषण भी करती है। कई विकसित देशों की पृष्ठभूमि में इन भावना ने बड़ा योगदान दिया है।

आरएसएस करतला खंड के अंतर्गत उरगा मंडल में आयोजित विजियादशमी उत्सव में मुख्य वक्ता के रूप में युगल किशोर ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि संघ ने अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे किये हैं। वर्ष 1925 में 7-8 युवाओं का साथ लेकर इस संघ की स्थापना बलीराम केशव हेडगेवार ने की थी। इतने वर्षों में कई प्रकार के उतार चढ़ाव देखने के बाद यह संगठन न केवल भारत बल्कि 100 देशों तक पहुंच गया। अनुशासन, सेवा, समर्पण और देश के सरोकारों में अपने आपको आगे रखने की भावना ने संघ को पहचान दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जिस तरह की चुनौतियां है इसे देखते हुए हर किसी को अपनी भूमिका निभाने की मानसिकता बनानी होगी। कार्यक्रम को मुख्य अतिथि रविंद्र मंगत ने भी संबोधित किया। उन्होंने संगठन की ओर से किये जा रहे कार्यों का जिक्र किया और उम्मीद जतायी कि आगामी वर्षों में इसका बड़ा रूप हर क्षेत्र में नजर आएगा। कार्यक्रम में काफी संख्या में स्वयंसेवक और ग्रामीण उपस्थित रहे।

सामूहिक श्रमदान से बेहतर स्थिति में आया पोड़ीबहार तालाब लेकिन अब हालात जस के तस

कोरबा। आधुनिकता की अंधी दौड़ में हम भले ही कंक्रीट के जंगल में खो गए हों, लेकिन हमारे पुरखों ने प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाते हुए जो जल स्त्रोत हमें दिए थे, उनकी उपेक्षा करना हमारे लिए सबसे बड़ी भूल साबित हो रही है। खासकर शहरों के पुराने तालाब, जो कभी जीवन, उल्लास और संस्कृति के केंद्र हुआ करते थे, आज गंदगी और लापरवाही के बोझ तले दबे अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए चीत्कार कर रहे हैं।

शहर के पोड़ीबाहर क्षेत्र में स्थित एक प्रमुख तालाब, जो न केवल स्थानीय निवासियों के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि धार्मिक क्रियाकलापों, जैसे कि मुक्तिधाम में तर्पण आदि के लिए भी उपयोग किया जाता है, एक बार फिर चिंता का विषय बन गया है. यह तालाब, जो कभी अपनी सुंदरता और उपयोगिता के लिए जाना जाता था। अब उपेक्षा और गंदगी का पर्याय बन चुका है। कुछ समय पूर्व तक इस तालाब की दशा अत्यंत दयनीय थी।

गंदगी के कारण इसका उपयोग मुश्किल हो गया था.लेकिन, इस निराशा के बीच कुछ युवा आशा की किरण बनकर सामने आए. पोड़ीबाहर के इन जागरूक युवाओं ने अपने आस-पास की इस बदहाली को देखा और इसे सुधारने का बीड़ा उठाया। हर सुबह, वे अपने कीमती समय को निकालकर श्रमदान करने लगे। उनकी इस पहल से तालाब का कायाकल्प होने लगा।

इस अभियान में सक्रिय रूप से जुड़े डॉ. राजेश राठौर बताते हैं कि यह केवल एक सफाई अभियान नहीं था, बल्कि एक संवेदनशील सामाजिक पहल थी। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य सिर्फ तालाब को साफ करना नहीं था, बल्कि समाज को यह समझाना था कि यह हमारा सामूहिक दायित्व है. युवाओं के अथक प्रयासों से तालाब एक बार फिर स्वच्छ और उपयोग लायक हो गया था।

इन युवाओं का मकसद सिर्फ शारीरिक श्रम से तालाब को साफ करना नहीं था, बल्कि लोगों के मन में इसके महत्व को लेकर जागरूकता फैलाना भी था। वे चाहते थे कि समाज यह समझे कि तालाब केवल जल का स्त्रोत नहीं, बल्कि हमारे पर्यावरण, हमारी संस्कृति और हमारी विरासत का एक अहम हिस्सा हैं। उनकी इस पहल को काफी सराहा भी गया था। दुर्भाग्यवश, यह उम्मीदें ज्यादा दिन नहीं टिक पाई. युवाओं द्वारा सफाई के बाद यह तालाब एक बार फिर गंदगी से पट गया है। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि केवल कुछ लोगों के प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। जब तक समाज सामूहिक रूप से अपनी जिम्मेदारी को नहीं समझेगा, और सरकारी तंत्र भी अपनी भूमिका सक्रियता से नहीं निभाएगा, तब तक इन प्राकृतिक धरोहरों का बद्हाल होना तय है।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com